



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)

PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 494]

नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 28, 2001/आश्विन 6, 1923

No. 494]

NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 28, 2001/ASVINA 6, 1923

विधि, न्याय और कंपनी कार्य मंत्रालय

(कंपनी कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 2001

सा. का. नि. 706(अ).— केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड (घ) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, लागत लेखा अभिलेख (विनिर्मितियां) नियम, 1988 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (विनिर्मितियां) संशोधन नियम, 2001 है ।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. लागत लेखा अभिलेख (विनिर्मितियां) नियम, 1988 में (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है)--

(अ) नियम 2 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, -

“ लागू होना - ये नियम “ लघु उद्योग एकक ” के प्रवर्ग के अंतर्गत आने वाली कंपनियों को छोड़कर, प्रत्येक एक ऐसी कंपनी को लागू होंगे जो आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक, सिद्ध और यूनानी विनिर्मितियों सहित औषध की किसी प्रणाली के अधीन विनिर्मितियों के उत्पादन, प्रसंस्करण या विनिर्माण में लगी हुई है ” ;

(आ) नियम 2.3 में खंड (ख) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, -

“(ख) “विनिर्मिति ” पद से मानव प्राणियों या पशुओं में रोग के निदान, उपचार, प्रशमन या निवारण के लिए या मे आंतरिक या बाह्य उपयोग के लिए एक या अधिक प्रपुंज औषधि से किसी भेषजीय सहायक का उपयोग करते हुए या

उपयोग किए बिना प्रसंस्कृत औषध अभिप्रेत है या उसके अंतर्गत एक या अधिक प्रपुंज ओषधियां अंतर्विष्ट हैं और इनके अंतर्गत, -

(i) औषध की किसी प्रमाणिक आयुर्वेदिक (सिद्ध सहित) या यूनानी (टिब) प्रणालियों में से किसी में सम्मिलित कोई औषध है ;

(ii) औषध की होम्योपैथिक प्रणाली में सम्मिलित कोई औषध है ” ।

(ग) “ खुली ओषधि ” से कोई भेषजीय, रासायनिक, जैवीय या पौध उत्पाद अभिप्रेत है जिसके अंतर्गत उसके लवण, प्रलवण, विन्यास समावयव और व्युत्पन्न है जिनका उपयोग किसी विनिर्मिति में एक संघटक के रूप में किया जाता है ।

(इ) नियम 3 में,—

(i) उपनियम (1) में, “इन नियमों के प्रारंभ पर या उसके पश्चात्” शब्दों के पश्चात्, “31 मार्च, 2002 या 2002 में सुसंगत वित्तीय वर्ष की समाप्ति तक” शब्द और अंक अंतःस्थापित किए जाएंगे ;

(ii) उपनियम (2) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अंतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

“(2क) ऐसी प्रत्येक कंपनी, जिसे ये नियम लागू होते हैं, 1 अप्रैल, 2002 को या उसके पश्चात् प्रारंभ होने वाले प्रत्येक अपने वित्तीय वर्ष की बाबत उचित लेखा बहियां रखेगी, जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ सामग्री, श्रम और लागत की अन्य मदों के उपयोग के संबंध में, जहां तक वे विनिर्मितियों के उत्पादन या प्रसंस्करण या विनिर्माण से संबंधित हैं, विवरण होगा । इस प्रकार रखी गई लेखा बहियों में अन्य बातों के साथ इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची 3 और उक्त अनुसूची में उल्लिखित प्रोफार्मा क, ख, ग, घ और ङ में विनिर्दिष्ट विशिष्टियां होगी :—

परंतु यदि उक्त कंपनी किसी अन्य उत्पाद का विनिर्माण कर रही है या विनिर्मितियों के विनिर्माण के अतिरिक्त अन्य क्रियाकलाप में लगी हुई है, तो ऐसी सामग्री, श्रम और लागत की अन्य मदों के उपयोग के संबंध में जहां तक वे ऐसे उत्पादों के विनिर्माण या क्रियाकलापों से संबंधित हैं, विशिष्टियां नियम 2 में निर्दिष्ट विनिर्मितियों की लागत में सम्मिलित नहीं की जाएंगी ।

(2ख) उपनियम (2क) में निर्दिष्ट लेखा बहियां नियमित रूप से ऐसी रीति में रखी जाएंगी ताकि उनमें दर्ज की गई विशिष्टियों से प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए उत्पादित, प्रसंस्कृत या विनिर्मित प्रत्येक प्रकार की विनिर्मितियों के उत्पादन की लागत और विक्रय की लागत की प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए सगणना करना संभव हो सके । ऐसी प्रत्येक लेखा बही और उक्त अनुसूची 3 में विनिर्दिष्ट प्रोफार्मा, कंपनी के उस वित्तीय वर्ष की, जिससे उनका संबंध है, समाप्ति से नब्बे दिन से अनधिक में पूरे कर लिए जाएंगे ।

(2ग) सांख्यिकीय और अन्य अभिलेख अनुसूची 3 के उपबंधों के अनुसार रखे जाएंगे जो ऐसे होंगे जिससे कंपनी, जहां तक संभव हो सके, लागतों में अधिकतम मितव्ययिता प्राप्त करने की दृष्टि से विभिन्न संक्रियाओं और लागतों पर नियंत्रण रखने में समर्थ हो सके । ये अभिलेख समय-समय पर यथा संशोधित लागत लेखा परीक्षा (रिपोर्ट) नियम, 1996 में निर्दिष्ट सभी मुद्दों पर युक्तियुक्त रूप से रिपोर्ट देने के लिए लागत लेखा परीक्षक द्वारा अपेक्षित आवश्यक आंकड़े भी उपलब्ध कराएंगे ।”

(iii) उपनियम (3) में, “उपनियम (1) और उपनियम (2) के उपबंधों” शब्दों, कोष्ठकों और अंकों के स्थान पर, “इस नियम के उपनियम (1), उपनियम (2), उपनियम (2क), उपनियम (2ख) और उपनियम (2ग), के उपबंधों” शब्द, कोष्ठक, अंक और अक्षर रखे जाएंगे ;

(ख) उक्त नियमों में, अनुसूची 2 के पश्चात् निम्नलिखित अनुसूची और प्रोफार्मा क, ख, ग, घ और ङ अतः स्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :-

“अनुसूची - 3

[(नियम 3(2क) देखिए]

1. सामग्री :

(1) विभिन्न प्रकार की विनिर्मितियों के बैचवार उत्पादन के लिए अपेक्षित और वास्तविक रूप में प्रयुक्त कच्ची सामग्री जैसे खुली ओषधि, भेषजीय सहायक, अनुद्रव्य आदि की मात्रा और लागत, दोनों में सभी प्राप्ति, निर्गम और अतिशेषों को पृथक्-पृथक् दर्शित करते हुए समुचित अभिलेख रखे जाएंगे। वह आधार जिस पर निर्गमों और उपभोग की उक्त मात्राओं और लागत की गणना की गई है, लागत अभिलेखों में उपदर्शित किया जाएगा और उसका समनुरूपतः अनुसरण किया जाएगा। आयातित कच्ची सामग्री की दशा में अनुज्ञप्तिवार अनुज्ञात मात्रा, आयातित वास्तविक मात्रा, उपयोग की गई वास्तविक मात्रा, स्टॉक में मात्रा और वह मात्रा जिसे अनुज्ञप्तिप्राप्त मात्रा में से अभी आयात किया जाना है, को दर्शित करते हुए समुचित अभिलेख रखे जाएंगे।

1(क) यदि किसी कंपनी द्वारा किसी ऐसी प्रपुज ओषधि/ मध्यवर्ती/प्रसंस्करण रसायन का, जो पूर्वतः विहित लागत लेखा अभिलेख (खुल ओषधियाँ)नियम के अंतर्गत आता है, विनिर्माण किया जाता है तो समुचित लागत अभिलेख उन नियमों के अनुसार इस प्रकार रखे जाएंगे जिससे कि ऐसी मदों की लागत निकाली जा सके।

(2) विनिर्मितियों के विनिर्माण में प्रयुक्त प्रसंस्कृत सामग्री, रसायनों और विलेयनों की प्रत्येक मद की मात्रा और लागत दोनों में प्राप्ति, निर्गम और अतिशेषों को दर्शित करते हुए पृथक् रूप से उचित अभिलेख रखे जाएंगे। लागत में सकर्म तक के सभी प्रत्यक्ष प्रभार सम्मिलित होंगे।

(3) जहां कंपनी द्वारा आधारभूत कच्ची सामग्री या उसके सघटक उत्पादित किए जाते हैं या फार्म उत्पाद तैयार किए जाते हैं वहां वह ऐसी प्रत्येक सामग्री के उत्पादन की लागत दर्शित करते हुए पृथक् अभिलेख रखेगी जिसमें उपयोग में लाई गई सामग्री के ब्रेक-अप को इंगित किया जाएगा जिससे उत्पादित प्रसंस्करण सामग्री की लागत का अन्वधारण किया जा सके। जिस आधार पर ऐसी कंपनी द्वारा उत्पादित ऐसी सामग्री या उत्पादों के निर्गम और उपभोग की मात्रा और लागत की गणना की जाती है, इसको लागत अभिलेखों में उपदर्शित किया जाएगा और उसका सतत रूप से अनुसरण किया जाएगा।

(4) उत्पादन सामग्री के निर्गम, उपभोग की उत्पादन के बैच, विभाग और लागत केन्द्र के साथ पहचान की जाएगी। लागत अभिलेखों में दर्शित उपभोग ओषधि नियमों के अधीन विनिर्माण रजिस्टर में अभिलिखित डाटा के समरूप होना चाहिए।

(5) सामग्री की लागत के संबंध में महत्वपूर्ण मूल्य वाले विभिन्न प्रक्रियाओं से पुनः प्राप्त उपोत्पाद की मात्रा और मूल्य उपदर्शित करने वाले समुचित अभिलेख रखे जाएंगे। कतिपय ऐसे पुनः प्राप्त उपोत्पादों की दशा में

जिनका प्रसंस्करण में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता और जिनका और प्रसंस्करण किए बिना विव्यय कर दिया जाता है या व्ययन कर दिया जाता है, ऐसे विक्रय से की गई वसूली को अभिलिखित किया जाएगा और संबद्ध प्रसंस्करण के विरुद्ध समायोजित किया जाएगा। यदि इन उपोत्पादों को यथास्थिति उपयोग लायक या विक्रय योग्य बनाने के लिए और प्रसंस्करण आवश्यक है तो ऐसे और प्रसंस्करण में अंतर्वलित लागत के लिए यथोचित अभिलेख रखे जाएंगे। यदि ऐसा प्रसंस्करण किसी बाह्य अभिकरण द्वारा किया जाता है तो प्रसंस्करण के लिए भेजी गई मात्रा, प्रसंस्करण के पश्चात् वापस प्राप्त मात्रा और उस पर उपगत लागत दर्शाने के लिए विस्तार में समुचित अभिलेख रखे जाएंगे। शुद्ध वसूली का, यदि कोई हो, ऐसे उपोत्पाद से संबंध रखने वाले मुख्य प्रसंस्करण के साथ समायोजन किया जाएगा। उपोत्पादों की लागत अवधारित करने के लिए अपनाए गए आधार साम्यापूर्ण और युक्तियुक्त होंगे और समरूपतः लागू किए जाएंगे। उपोत्पादों की वास्तविक विक्रय वसूली उपदर्शित करने वाले अभिलेख भी रखे जाएंगे। ओषध की अन्य प्रणालियों की बाबत अभिप्राप्त संयुक्त उत्पादों/उपोत्पादों की दशा में वैसी ही प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

(6) उपभोज्य सामग्री, उपनियम (2) के अंतर्गत न आने वाले अन्य रसायनों, औजारों तथा मशीनरी के पुर्जों के प्रत्येक मद की प्राप्ति, निर्गमो और अतिशेषों की मात्राएं और लागत, दोनों को दर्शित करने वाले समुचित अभिलेख भी रखे जाएंगे। लागत में संकर्म तक के सभी प्रत्यक्ष प्रभार सम्मिलित होंगे। भेषजीय सहायकों, अनुद्रव्यों आदि के शुद्ध उपभोग का अवधारण करने के लिए पर्याप्त परिमाणात्मक अभिलेख रखे जाएंगे जिनका उपयोग विनिर्माण के लिए किया जाता है। लागत अभिलेखों में वैज्ञानिक रीति से प्रत्येक विनिर्मिति के उत्पादन के लिए प्रयुक्त मदों के प्रसंस्करण में समामेलित या हानि को स्पष्टतः उपदर्शित किया जाएगा।

(7) उपभोज्य सामान और छोटे औजारों की दशा में जिनकी लागत महत्वपूर्ण नहीं है, यदि कंपनी चाहे तो ऐसे उपभोज्य सामान और छोटे औजारों का अभिलेख सामूहिक रूप से रख सकेगी।

(8) उपभोज्य सामान, छोटे औजार और मशीनरी के पुर्जों के उपभोग की लागत वास्तविक निर्गमों के आधार पर सुसंगत लागत केन्द्रों/विभाग पर प्रभारित की जाएगी।

(9) कच्ची सामग्री, प्रसंस्करण सामग्री, उपभोज्य सामान, अपशिष्टों, विकृतियों, प्रतिक्लेषणों और हानियों चाहे वे अभिवहन, भंडारकरण, विनिर्माण में या किसी अन्य प्रक्रम पर हुई हों, की मात्रा और मूल्य को दर्शित करने वाले समुचित अभिलेख रखे जाएंगे। उत्पाद की लागत का अवधारण करते समय उपर्युक्त हानियां और अस्वीकृत तथा अपशिष्ट जिनमें विकृतियां, यदि कोई हों, भी हैं, के व्ययन से व्युत्पन्न आय के समायोजन के लिए अनुसरित पद्धति लागत अभिलेखों में उपदर्शित की जाएगी। किन्हीं असामान्य अपशिष्टों या विकृतियों या प्रतिक्लेषण को उनके कारणों सहित सुभिन्नतया और पृथक् रूप से उपदर्शित किया जाएगा।

(10) ऐसी कच्ची सामग्री और तैयार या अर्द्ध तैयार संघटकों, जो बारह मास से अधिक समय से नहीं हटाए गए हैं, का मूल्य उपदर्शित करने के लिए भी अभिलेख रखे जाएंगे।

(11) जहां केंद्रीय मूल्यवर्धित कर के अधीन कोई मुजरा या केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अधीन केंद्रीय मूल्यवर्धित कर के मुजरा की प्रकृति का किसी सामग्री की किसी मद पर कोई अन्य फायदा उपलब्ध है वहां ऐसी सामग्री की लागत को ऐसे मुजरा या फायदों के समायोजन करने के पश्चात् दर्शाया जाना चाहिए।

(12) यदि क्रय की गई किसी सामग्री का किसी बाह्य पक्ष द्वारा प्रसंस्करण किया जाता है तो प्रसंस्करण के लिए भेजी गई मात्रा, प्रसंस्करण के पश्चात् प्राप्त मात्रा, प्राप्त उपोत्पाद, यदि कोई हो, और प्रसंस्करण में अंतर्बलित लागत के लिए उचित अभिलेख रखे जाएंगे।

2 वेतन और मजदूरी :

(1) लागत केन्द्रों या विभागों के सभी कर्मचारियों की उपस्थिति और उनके उपार्जनो तथा उस कार्य/बैच को जिसमें वे नियोजित किए गए हैं, उपदर्शित करते हुए समुचित अभिलेख रखे जाएंगे। प्रत्येक लागत केन्द्र/बैच या विभाग के लिए पृथक् रूप से निम्नलिखित भी अभिलेख में उपदर्शित किए जाएंगे :--

(क) मात्रानुपाती दर पर मजदूरी (जहा लागू हो) ;

(ख) प्रोत्साहन मजदूरी चाहे व्यक्ति या सामूहिक रूप से उत्पादन बोनस के रूप में या उत्पादन पर आधारित किसी अन्य स्कीम के अधीन हो ;

(ग) अतिकालिक मजदूरी ;

(घ) नेमित्तिक या सविदाजात श्रमिकों के उपार्जन ;

(ङ) बोनस या उपदान, कानूनी तथा अन्य ;

(च) अधिवर्षिता स्कीम में अभिदाय ;

(छ) समान प्रकृति का कोई अन्य उपार्जन ।

(2) अभिलेख ऐसी रीति से रखे जाएंगे कि कंपनी इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची 3 के प्रोफार्मा क, ख, ग, घ और ङ में इस शीर्ष के अधीन आवश्यक विशिष्टियां दे सके। इन व्ययों के अभिलेख, बहियों में, विनिर्मितियों के उत्पादन से संबंधित क्रियाविधियों के प्रति निर्देश के अधीन रहते हुए लागत केन्द्रों और विभाग के अनुसार रखे जा सकेंगे। जहा कर्मचारी ऐसी रीति से काम करते हैं कि उनकी पहचान किसी लागत केन्द्र और विभाग से करनी संभव न हो वहां श्रम प्रभारों को लागत के केन्द्रों और विभागों में साम्यापूर्ण और युक्तियुक्त आधार पर प्रभाजित किया जाएगा और उन्हें समरूपत लागू किया जाएगा।

(3) खाली श्रम लागत को वर्गीकृत शीर्षको के अधीन उसके लिए जो कारण है जिन्हें उपदर्शित करते हुए पृथक् अभिलिखित किया जाएगा। उत्पाद की लागत का अवधारण करने में खाली समय के सदाय का लेखा रखने के लिए अपनाई जाने वाली पद्धति को लागत अभिलेख में दर्शित किया जाएगा।

(4) पूजी सकर्म, जैसे सयंत्र और मशीनरी, भवन में संवर्धन या अन्य स्थिर आस्तियों को आबटनीय किन्हीं मजदूरियों और वेतनों का लेखा सुसगत पूजी शीर्ष के अधीन दिया जाएगा। इसी प्रकार आस्थगित राजस्व व्यय की प्रकृति के सदायों को पृथक् वर्गीकृत शीर्षको के अधीन पृथक् रूप से लेखबद्ध किया जाएगा जिसमें इसके कारणों को दर्शित किया जाएगा। उत्पाद की लागत का अवधारण करने में ऐसे सदायों की गणना करने के लिए अनुसरित किया जाने वाला तरीका साम्यापूर्ण और युक्तियुक्त आधार पर होगा तथा उसे समरूपत लागू किया जाएगा। उक्त तरीका लागत अभिलेखों में भी प्रकट किया जाएगा।

(5) केवल ऐसी सेवानिवृत्ति लागत को जिसके भविष्य में लागत में बचतों के निबधनों में फायदों का उपबध

किए जाने की संभावना है, आस्थगित राजस्व व्यय के रूप में माना जाएगा। ऐसी रकम को असाधारण मद के रूप में माना जाएगा। अतः ये व्यय वेतन और मजदूरी के भाग नहीं होंगे तथा इनको असामान्य व्यय की मद के रूप में अलग से उपदर्शित किया जाएगा। इसी प्रकार पूर्व की अवधि के लिए संदेय सेवा समाप्ति के फायदों के अधिक्य और इस संबंध में की गई व्यवस्था से अधिक की रकम को व्यय में असामान्य मद के रूप में माना जाएगा। केवल स्थाई सेवा निवृत्ति स्कीम मद्दे व्ययों को उस अवधि के लिए सूचियों के मूल्यांकन के लिए अपवर्जित किया जाएगा क्योंकि ये व्यय उन सूचियों को उनकी वर्तमान अवस्थिति और दशा में रखने के परिणामस्वरूप नहीं है।

3. सेवा विभाग व्यय :

प्रत्येक सेवा विभाग या लागत केन्द्रों जैसे प्रयोगशाला, कल्याण, परियहन आदि पर उपगत व्ययों को उपदर्शित करने वाले ब्यौरे वार अभिलेख रखे जाएंगे। ये व्यय अन्य सेवाओं और उत्पादन विभागों को साम्यपूर्ण और युक्तियुक्त आधार पर प्रभाजित किए जाएंगे और समरूपतः लागू किए जाएंगे। जहां इन सेवाओं का उपयोग कंपनी के अन्य उत्पादों के लिए भी किया जाता है वहां किसी प्रकार की विनिर्मितियों और अन्य उत्पादों के बीच प्रभाजन का आधार साम्यपूर्ण होगा और अभिलेखों में स्पष्टतः उपदर्शित किया जाएगा और समरूपतः लागू किया जाएगा।

4. उपयोगिता :

(1) जल -- विभिन्न लागत केन्द्रों या विभागों में किसी प्रकार की विनिर्मितियों के विनिर्माण के लिए उत्पादित और उपभोग किए गए उपचारित या शीतित या कच्चा या मृदु या खनिज रहित जल या लवण जल यदि कोई हो, की मात्रा और लागत दर्शाते हुए समुचित अभिलेख रखा जाएगा। उपचारित जल की लागत को संबद्ध इकाइयों में साम्यपूर्ण और युक्तियुक्त आधार पर प्रभाजित किया जाएगा और समरूपतः लागू किया जाएगा।

(2) वाष्प -- जहां कंपनी द्वारा वाष्प उत्पादित की जाती है वहां विनिर्मितियों के विनिर्माण के लिए बनाई गई वाष्प की मात्रा तथा लागत को दर्शाते हुए उचित अभिलेख रखे जाएंगे। कंपनी की विनिर्मितियों को उत्पादित करने वाली यूनिटों और अन्य इकाइयों द्वारा उपभोग की गई वाष्प की लागत साम्यपूर्ण और युक्तियुक्त आधार पर प्रभाजित की जाएगी और समरूपतः लागू की जाएगी। जहां किसी कंपनी की किसी अन्य यूनिट द्वारा वाष्प तैयार की जाती है और उसका प्रदाय विनिर्मित संपन्न को किया जाता है तो वहां इस प्रकार प्रदाय की गई वाष्प की लागत वास्तविक आधार पर विनिर्मित संपन्न पर प्रभारित की जाएगी।

(3) विद्युत -- जहां विद्युत का क्रय किया जाता है, वहां विभिन्न लागत केन्द्रों या विभागों में विनिर्मितियों के उत्पादन के लिए उपभोग की गई विद्युत की मात्रा और लागत का समुचित अभिलेख रखा जाएगा। जहां कंपनी द्वारा स्वयं विद्युत उत्पादित की जाती है वहां विभिन्न लागत केन्द्रों या विभागों में विनिर्मितियों के उत्पादन के लिए उत्पादित और उपयोग की गई विद्युत की लागत दर्शाने हेतु लागत के सभी तत्व दर्शाने वाला पर्याप्त अभिलेख रखा जाएगा। अभिलेख प्रत्येक लागत केन्द्रों या विभागों में स्थापित क्षमता, उत्पादित यूनिटों की संख्या, हानियां, और उपभोग भी पृथक् उपदर्शित करेगा। जहां कंपनी की किसी अन्य यूनिट द्वारा विद्युत

उत्पादित करके विनिर्मिति संयंत्र को प्रदाय की जाती है यहां इस प्रकार प्रदाय की गई विद्युत की मात्रा और उसकी लागत उपदर्शित करने के लिए पर्याप्त अभिलेख रखा जाएगा। कंपनी की विनिर्मितियों की यूनिटों या अन्य यूनिटों द्वारा उपभोग की गई विद्युत की लागत साम्यापूर्ण और व्यक्तिगत आधार पर प्रभाजित की जाएगी और समरूपतः लागू की जाएगी। अभिलेखों में ऊर्जा के संरक्षण के लिए किए गए उपायों और उसके उत्पादन की प्रति यूनिट लागत पर तत्समान प्रभार को स्पष्टतः दर्शित किया जाएगा।

(4) वातानुकूलन :- वातानुकूलन की कीमत और इसके केन्द्रवार या विभागवार वितरण का अवधारण करने के लिए उचित अभिलेख तैयार किए जाएंगे। वातानुकूलन की लागत विनिर्मितियों पर साम्यापूर्ण और व्यक्तिगत आधार पर प्रभाजित की जाएगी और समरूपतः लागू की जाएगी।

(5) आक्सीजन/नाइट्रोजन :- विनिर्मितियों के उत्पादों के उत्पादन में उपयोग के लिए कंपनी द्वारा उत्पादित या विनिर्मित नाइट्रोजन की लागत को दर्शित करते हुए, समय समय पर यथा संशोधित लागत लेखा अभिलेख (औद्योगिक गैसों) नियम, 1996 के अनुसार उचित अभिलेख रखे जाएंगे। कंपनी द्वारा उत्पादित नाइट्रोजन विनिर्मितियों के उत्पादों की वास्तविक लागत पर ही प्रभारित की जाएगी। यदि कंपनी नाइट्रोजन का क्रय करती है तो क्रय की गई मात्रा और उपभोग की गई मात्रा को केन्द्रवार या विभागवार लागत दर्शित करते हुए उचित अभिलेख रखे जाएंगे। इन अभिलेखों में सभी प्रत्यक्ष प्रभारों सहित संकर्म तक प्रदत्त नाइट्रोजन की लागत को दर्शित किया जाएगा।

(6) एल पी जी :- कंपनी द्वारा विनिर्मितियों के उत्पादन के लिए क्रय की गई एल पी जी की बाबत मात्रा और लागत दर्शित करते हुए उचित अभिलेख रखे जाएंगे।

(7) अन्य उपयोगिताएं — विनिर्मितियों के विनिर्माण या उत्पादन के लिए कंपनी द्वारा खरीदी गई या उत्पादित अन्य उपयोगिताओं के संबंध में लागत और मात्रा को उपदर्शित करते हुए सही अभिलेख रखे जाएंगे।

(8) प्रत्येक उपयोगिता के लिए लागत वितरण प्रोफार्मा 'क' में पृथक् रूप से रखे जाएंगे।

5. कार्यशाला या मरम्मत और अनुरक्षण या औजार कक्ष :

(1) कार्यशाला या औजार कक्ष द्वारा विभिन्न शीशों के अधीन उपगत व्यय और विभिन्न लागत केन्द्रों या विभागों में मरम्मत तथा अनुरक्षण पर हुए व्यय दर्शाने वाला उचित अभिलेख रखा जाएगा। अभिलेखों में भिन्न-भिन्न लागत केन्द्रों या विभागों पर कार्यशाला या औजारकक्ष या मरम्मत और अनुरक्षण व्यय के प्रभारण का आधार भी उपदर्शित किया जाएगा। जहां अनुरक्षण कार्य किसी उत्पादन लागत केन्द्र या विभाग के कर्मचारों द्वारा सीधे किया जाता है वहां ऐसे कर्मचारों की मजदूरी और वेतन, संबंधित लागत केंद्र या विभाग के प्रत्यक्ष व्यय माने जाएंगे। यदि सेवाओं का अन्य उत्पादों के लिए भी उपभोग किया जाता है तो कार्यशाला या औजार कक्ष या मरम्मत और अनुरक्षण पर अंश के प्रभारण की रीति साम्यापूर्ण और व्यक्तिगत होगी जो अभिलेख में स्पष्ट रूप से उपदर्शित की जाएगी और उसे समरूपतः लागू किया जाएगा।

(2) उक्त अभिलेखों के अतिरिक्त ऐसी मदों का प्रतिनिधित्व करते हुए जिन्हें चौबीस मास से अधिक की अवधि तक हटाया नहीं गया है, ऐसे सामान और अतिरिक्त पुर्जों की अंतिम सूची की रकम और उसके प्रभाजन को

उपदर्शित किया जाना चाहिए ।

(3) मुख्य मरम्मत संकर्म पर व्यय, जिसके एक से अधिक वित्तीय वर्षों में फायदा प्रोद्भूत होने की संभावना है, फायदा के लिए आशयित अवधि के ऊपर युक्तियुक्त और साम्यापूर्ण आधार पर आबंटित किया जाएगा और समरूपतः लागू किया जाएगा । ऐसी लागत पृथक् रूप से दर्शाई जाएगी और ऐसी लागतों की लेखा पद्धति और आबंटन के आधार को भी लागत अभिलेखों में उपदर्शित किया जाएगा ।

6. अवक्षयण :

विभिन्न लागत केंद्रों या विभागों में अवक्षयण को सभी उत्पादों पर साम्यापूर्ण और युक्तियुक्त आधारों पर आबंटित/प्रभाजित आमेहित किया जाएगा और समरूपतः लागू किया जाएगा । यदि लागत केंद्रों या विभागों को प्रभारित या प्रभार्य अवक्षयण कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 205 की उपधारा (2) के उपबंधों के अधीन विहित अवक्षयण की दर को लागू करते हुए संगणित अवक्षयण से अधिक या कम है तो अधिक या कम अवक्षयण की ऐसी रकम को लागत अभिलेखों में स्पष्ट रूप से उपदर्शित किया जाएगा । लागत अभिलेख विनिर्मितियों की प्रति यूनिट लागत पर यथास्थिति ऐसे आधिक्य या निम्नतर अवक्षयण के प्रभाव को भी उपदर्शित करेगा । आस्ति की किसी एकल मद के लिए लागत, अभिलेख में प्रभारित संचयी अवक्षयण संबंधी आस्ति की मूल लागत से अधिक नहीं होगी ।

7. अन्य उपरिव्यय :

(1) निर्देशाधीन उत्पादों के लिए अन्य उपरिव्ययों को समाविष्ट करने वाले व्ययों की विभिन्न मदों को दर्शित करने वाले समुचित अभिलेख रखे जाएंगे । इन व्ययों को कृत्यों अर्थात् संकर्म, प्रशासन और विक्रय तथा वितरण के अनुसार विश्लेषित, वर्गीकृत और समूहित किया जाएगा ।

(2) जहां कंपनी विनिर्मितियों से भिन्न किसी अन्य उत्पाद के विनिर्माण में लगी हुई है, वहां अभिलेख स्पष्ट रूप से यह आधार उपदर्शित करेंगे जिसका कंपनी के प्रधान कार्यालय के ऐसे उत्पादों और विनिर्मितियों के संबंध में, जिसके अंतर्गत पूंजी संकर्म हैं, व्यय सहित सम्मिलित उपरिव्ययों के प्रभाजन के लिए अनुसरण किया गया है । जहां उपरिव्यय में सम्मिलित कतिपय व्ययों की पहचान किसी विशिष्ट क्रियाकलाप या उत्पाद के रूप में स्थापित की जा सकती है तो ऐसे व्ययों को पहले पृथक् कर दिया जाएगा और यह सुसंगत क्रियाकलाप या उत्पाद पर प्रभारित किया जाएगा और उसके पश्चात् उपरिव्ययों के उपरोक्त प्रवर्ग के अधीन अवशेष व्यय युक्तियुक्त और साम्यपूर्ण आधार पर प्रभाजित किया जाएगा और इसे समरूपतः लागू किया जाएगा । पूंजीगत संकर्मों पर प्रभाजित उपरिव्यय लागत अभिलेखों में पृथक् रूप से दर्शित किए जाएंगे । लागत अभिलेखों में लागत केंद्रों या विभागों तथा उत्पादों पर उपरिव्ययों के प्रभाजन और आमेहन का आधार उपदर्शित किया जाएगा । अभिलेख ऐसी रीति में रखे जाएंगे जिससे कि संकर्म, प्रशासन, विक्रय और वितरण संबंधी उपरिव्ययों के ब्यौरे उपदर्शित हो सकें ।

8. स्वामिस्य या तकनीकी व्यावहारिक ज्ञान फीस :

सहयोगकर्ताओं या प्रौद्योगिकी प्रदायकर्ताओं को, निर्देशाधीन उत्पादों के लिए उनके साथ किए गए करारों के

निबंधनों के अनुसार दिए गए स्वामित्व और/या तकनीकी व्यावहारिक ज्ञान फीस सहित इसी प्रकार के अन्य आवर्ती या अनावर्ती संदाय को दर्शित करने वाले पर्याप्त अभिलेख रखे जाएंगे। ऐसे अभिलेख ऐसे प्रत्येक सहयोगकर्ता या प्रदायकर्ता के संबंध में अलग-अलग रखे जाएंगे। ऐसी स्वामित्व की रकमों को, जिनके अंतर्गत एक मुश्त संदाय भी है, उत्पादों पर प्रभारित करने का आधार स्वामित्व-करार के अनुसार, घटना के समय ही होगा और लागत अभिलेखों में उपदर्शित किया जाएगा।

9. अनुसंधान और विकास व्यय :

(1) कंपनी द्वारा, इन नियमों के अधीन आने वाले उत्पादों पर अनुसंधान और विकास कार्य के लिए उत्पादों का विकास, विद्यमान और नया उत्पाद और प्रसंस्करण, विनिर्माण की प्रक्रियाओं के विकास, विद्यमान और नई संयंत्र सुविधाओं के डिजाइन तथा विकास तथा नए उत्पादों आदि की प्रकृति के अनुसार बाजार अनुसंधान पर उपगत व्यय के, यदि कोई हो, ब्यौरे दर्शित करने वाले उचित अभिलेख पृथक् रूप से रखे जाएंगे।

(2) विनिर्मितियों और अन्य सभी उत्पादों की लागत पर इन व्ययों के प्रभारण की पद्धति लागत अभिलेखों में दर्शित की जाएगी। जहां ऐसे अनुसंधान और विकास कार्य की उपयोगिता एक से अधिक वित्तीय वर्षों पर विस्तारित होती है वहां ऐसे स्थगित राजस्व व्यय आस्थगित व्यय के रूप में समझे जाएंगे और विनिर्मितियों के उत्पादन और अन्य सभी उत्पादों, यदि कोई हो, की लागत पर युक्तियुक्त आधार पर प्रभारित किए जाएंगे और समरूपतः लागू होंगे। ऐसे विस्तृत मानदंडों को जिन पर इन व्ययों की उपयोगिता की अवधि को एक वित्तीय वर्ष से अधिक के लिए विस्तृत करने का विनिश्चय किया गया है, लागत अभिलेखों में प्रकट किया जाएगा। ऐसे मामलों में निम्नलिखित मानदंडों को, जो केवल संकेतात्मक हैं न कि सर्वांगीण, अंगीकार किया जा सकेगा :-

(i) उत्पाद या प्रसंस्करण स्पष्टतः परिभाषित किया जाता है और उस उत्पाद या प्रसंस्करण से तात्पर्यित लागतों को पृथक् रूप से सुनिश्चित किया जा सकता है ;

(ii) उत्पाद या प्रसंस्करण की तकनीकी व्यवहार्यता को प्रदर्शित किया गया है ;

(iii) उद्यम के प्रबंध मंडल ने उक्त उत्पाद या प्रसंस्करण को उत्पादित करने और विपणन करने या उसका उपयोग करने के आशय का संकेत दे दिया है ;

(iv) इस बारे में युक्तियुक्त उपदर्शन है कि प्रत्याशित उत्पादन, विक्रय और वितरण लागत के साथ परियोजना पर उपगत होने वाली चालू और भविष्य के अनुसंधान और विकास की लागतों का संबंधित भविष्य के राजस्व या फायदों के अंतर्गत आने वाली लागतों से अधिक होने की संभावना है ; और

(v) पर्याप्त संसाधन विद्यमान हैं या परियोजना को पूरा करने और उक्त उत्पाद या प्रसंस्करण के लिए उनके उपलब्ध होने की युक्तियुक्त रूप से संभावना है ;

(3) बाहरी व्यक्तियों को तकनीकी व्यवहार ज्ञान प्रदान करने के लिए अनुसंधान और विकास विभाग द्वारा उपगत व्यय पृथक् रूप से अभिलिखित किया जाएगा और विनिर्मितियों की लागत में से अपवर्जित किया जाएगा।

बाहरी व्यक्तियों को तकनीकी व्यवहार ज्ञान प्रदान करने से प्राप्त राशि को भी पृथक् रूप से उपदर्शित किया जाएगा और विनिर्मितियों के विक्रय से होने वाली आय में से अपवर्जित किया जाएगा ।

10. क्वालिटी नियंत्रण :

विनिर्मितियों के लिए क्वालिटी नियंत्रण विभाग या लागत केंद्र की बाबत उपगत व्यय को उपदर्शित करने के लिए पर्याप्त अभिलेख रखे जाएंगे । जहां इन सेवाओं का उपयोग कंपनी के अन्य उत्पादों के लिए भी किया जाता है, वहां विनिर्मितियों और अन्य उत्पादों के प्रभाजन का आधार साम्यापूर्ण और युक्तियुक्त होगा और अभिलेख में स्पष्टतः उपदर्शित किए जाएंगे और समरूपतः लागू होंगे ।

11. ब्याज :

संदर्भ ब्याज प्रभारों के लिए समुचित अभिलेख रखे जाएंगे । इन नियमों के अंतर्गत आने वाले उत्पाद और अन्य क्रियाकलापों पर ब्याज की रकम युक्तियुक्त और साम्यपूर्ण आधार पर आबंटित या प्रभाजित की जाएगी और उसे समरूपतः लागू किया जाएगा । ऐसे निर्देशाधीन उत्पाद की विभिन्न किस्मों पर ब्याज का अंश और प्रभाजित करने के आधार भी साम्यापूर्ण और युक्तियुक्त होंगे और उनका निरंतर अनुसरण किया जाएगा । ऐसे आबंटन या प्रभाजन का आधार लागत अभिलेख या विवरण में स्पष्ट रूप से दर्शाया जाएगा ।

12. निर्यात व्यय या प्रोत्साहन :

विनिर्मितियों के निर्यात विक्रय पर उपगत व्ययों को, यदि कोई हों, दर्शित करने के लिए समुचित अभिलेख पृथक् रूप से इस प्रकार रखे जाएंगे ताकि निर्यात विक्रय की लागत सही रूप से अवधारित की जा सके । निर्यात की गई विनिर्मितियों के लिए लागत विवरण पृथक्तः तैयार किए जाएंगे जिसमें उपगत निर्यात व्ययों या अर्जित प्रोत्साहनों का ब्यौरा दिया जाएगा । यदि निःशुल्क निर्यात किया गया है तो यह तथ्य लागत विवरणों में व्यक्त किया जाना चाहिए । यदि निःशुल्क आयात वास्तविक उत्पादन के पश्चात् किया गया है तो विवरण से यह बात स्पष्ट होनी चाहिए ।

13. पैकिंग व्यय :

(1) विभिन्न पैकिंग सामग्री जैसे स्ट्रिप, ऐम्पूल वायल, बोतल, गत्ता बक्स, बक्स, लेबल, साहित्य आदि की मात्रा और लागत दोनों में ही, सभी प्राप्तियों, निर्गमों और अतिशेष और विनिर्मितियों के विपणन के लिए बनाए गए पैकों के विभिन्न आकारों की बाबत उपगत मजदूरी और अन्य व्ययों को पृथक् रूप से दर्शित करने वाले समुचित अभिलेख रखे जाएंगे । प्रत्येक विनिर्मित की बाबत ऐसी अनेक पैकिंग सामग्री का, जिसका वास्तविक रूप से प्रयोग हुआ हो और जो खराब हो गई हो, अभिलेख रखा जाएगा । यदि किसी विनिर्मित को दोषपूर्ण पैकिंग के कारण फिर से पैक किया जाता है तो प्रत्येक विनिर्मित आकार और पैक का फिर से पैकिंग किए जाने का विवरण रखा जाएगा, यदि पैकिंग लागत का कोई विशेष महत्व है । यदि पैकिंग सामग्री का विनिर्माण कंपनी द्वारा ही किया जाता है तो ऐसी मदों की उत्पादन लागत को दर्शित करने वाला समुचित अभिलेख रखा जाएगा ।

- (2) जहां पैकिंग व्यय सामान्य रूप में उपगत किया जाता है वहां विनिर्मितियों और अन्य उत्पादों के विभिन्न प्रकारों और आकारों के बीच ऐसे व्यय के प्रभाजन का आधार साम्यापूर्ण होगा और उसे लागत अभिलेख में स्पष्ट रूप से उपदर्शित किया जाएगा और लागू उपयोजित किया जाएगा ।
- (3) विनिर्मितियों की बाबत निर्यात पैकिंग पर उपगत विशेष व्यय का पृथक् रूप से अभिलेख रखा जाएगा और उसे सुसंगत निर्यात विक्रय लागत विवरण में दर्शित किया जाएगा ।

14. अर्द्धतैयार माल और तैयार माल स्टॉक :

विनिर्मितियों के अर्द्ध तैयार और तैयार स्टॉक की लागत का अवधारण करने के लिए अनुसंश्रित पद्धति, जहां भी सुसंगत हो, उपयुक्त होगी और लागत अभिलेखों में इस प्रकार उपदर्शित की जाएगी ताकि ऐसे लागत तत्वों को प्रकट किया जा सके जो ऐसी संगणना करने में हिसाब में लिए गए हैं । अर्द्धतैयार माल की लागत की संगणना करते समय संपत्ति सूचियों को वर्तमान अवस्थिति और दशा में लाने में उपगत सभी संपरिवर्तन लागतों को हिसाब में लिया जाएगा । अर्द्धतैयार और तैयार माल की लागत का अवधारण करने के लिए अपनाई गई पद्धति का निरंतर अनुसरण किया जाएगा ।

15. लागत विवरण :

- (1) चालू वित्तीय वर्ष और पूर्ववर्ती वर्ष की स्थापित क्षमता, उत्पादन, अपशिष्ट, निर्गमों और विक्रय और लागत के सभी तत्वों के ब्यौरे दर्शाने वाला लागत विवरण प्रोफार्मा क, ख, ग, घ और ङ में विनिर्मितियों के विनिर्माण या उत्पादन में अंगीकृत प्रक्रिया के लिए तैयार किया जाएगा ।
- (2) उस उत्पाद का, जो ऐसे प्रसंस्करण से उत्पन्न हुआ है जो पश्चात्पूर्वी प्रसंस्करण के लिए कच्ची सामग्री या निवेश सामग्री बनाता है, मूल्यांकन पूर्ववर्ती स्थिति तक उत्पादन की लागत पर किया जाएगा ।
- (3) यदि कंपनी एक से अधिक संयंत्र या कारखाने चला रही है तो प्रत्येक संयंत्र या कारखाने के लिए उच्चर विनिर्दिष्ट रूप में पृथक् लागत विवरण तैयार किए जाएंगे ।

16. उत्पादन अभिलेख :

सभी तैयार माल चाहे पैक किए गए हो या बिना, पैक उत्पादन विक्रय के लिए निर्गमों और कंपनी द्वारा उत्पादित निर्देशाधीन उत्पादों के विभिन्न प्रकार के उत्पादों के अतिशेष के परिणाम सूचक अभिलेख रखे जाएंगे ।

17. लागत और वित्तीय लेखाओं का मिलान :

- (1) लागत विवरणों का वित्तीय वर्ष के लिए वित्तीय विवरणों से लागत अभिलेख या विवरण में विचार नहीं किए गए व्ययों या आयों को विनिर्दिष्ट रूप से उपदर्शित करते हुए इस प्रकार मिलान किया जाएगा जिससे उनकी शुद्धता निश्चित की जा सके और कंपनी के संपूर्ण लाभों में से निर्देशाधीन उत्पाद के लाभ का न्याय निर्णयन किया जा सके । परिवर्तन, यदि कोई हो, स्पष्ट रूप से उपदर्शित किए जाएंगे और उनका स्पष्टीकरण दिया जाएगा ।
- (2) कंपनी द्वारा विभिन्न लेखाशीर्षों के अधीन उपगत सभी व्यय और प्राप्त आय और अन्य उत्पादों तथा

निर्देशाधीन उत्पादों को लागू अंश, दर्शाने वाला एक विवरण तैयार किया जाएगा और उसका वित्तीय विवरणों के साथ मिलान किया जाएगा।

18. लागत अंतरों का समायोजन :

जहां कंपनी मानक लागत जैसे वास्तविक आंकड़ों से भिन्न लागत अभिलेख किसी आधार पर रखती है, वहां कंपनी, द्वारा ऐसी पद्धति के अधीन ऐसी प्रणाली के अधीन उत्पाद की लागत की संगणना के लिए अनुसरित प्रक्रिया अभिलेख में उपदर्शित की जाएगी। उत्पाद की वास्तविक लागत का अवधारण करने में लागत अंतरों के समायोजन के लिए अपनाया जानेवाला ढंग लागत अभिलेखों में स्पष्ट रूप से उपदर्शित किया जाएगा। लागत अंतरों को पृथक् शीर्षों के सामने दर्शाया जाएगा और सामग्री, श्रम, उपरिख्य और मात्रा में टूट-फूट, मूल्य और क्षमता अंतरों का विश्लेषित किया जाएगा। उत्पाद की वास्तविक लागत के अवधारण में लागत अंतरों के समायोजन के लिए अनुसरित पद्धति लागत अभिलेखों में स्पष्ट रूप से उपदर्शित की जाएगी। लागत अभिलेख या विवरण में अंतरों के कारणों को सम्यक् रूप से स्पष्ट किया जाएगा।

19. सांख्यिकीय अभिलेख :

(1) विनिर्मितियों के उत्पादन विभिन्न उत्पादन विभागों में उपलब्ध मशीन घंटे या प्रत्यक्ष श्रम घंटे और वस्तुतः उपयोग के बारे में भी अभिलेख रखे जाएंगे और कमी का उपयुक्त रूप से विश्लेषण किया जाएगा। मशीनों के निष्कार्य समय की संगणना की बाबत उपयुक्त अभिलेख रखा जाएगा और उसका विश्लेषण भी किया जाएगा।

(2) विनिर्मितियों तथा अन्य उत्पादों और अन्य क्रियाकलापों के लिए लगाई गई पूंजी, शुद्ध निश्चित आस्तियों और कामकाजी पूंजी का पता लगाने की बाबत कंपनी को समर्थ बनाने के लिए पृथक् रूप से यथोचित अभिलेख रखे जाएंगे। विनिर्मितियों के उत्पादन के लिए ऐसी निश्चित आस्तियों के नए विनिधान को जिसका उस वर्ष के दौरान उत्पादों के उत्पादन के लिए अभिदाय नहीं दिया गया है, लागत अभिलेखों में उपदर्शित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त अभिलेखों में प्रतिस्थानी के रूप में जोड़ी गई आस्तियों और विद्यमान क्षमता को बढ़ाने के लिए जोड़ी आस्तियों को भी दर्शित किया जाएगा। ऐसे अभिलेख भी रखे जाएंगे जो विनिर्मितियों के उत्पादन के लिए नियोजित भूमि और भवन, संयंत्र और मशीनरी, फर्नीचर और फिक्चर आदि शीर्षकों के अधीन शुद्ध निश्चित आस्तियों, उस वर्ष तक संचित अवक्षयण और शुद्ध निश्चित आस्तियों की पहचान करने और/या आबंटित करने में समर्थ बनाएंगे तथा अवक्षयण का ढंग और उसकी दर के अभिलेख भी रखे जाएंगे। विनिर्मितियों से संबंधित उत्पादों की सामूहिक आस्तियों के प्रभाजन का आधार भी दर्शित किया जाएगा। आस्तियों के पुनःमूल्यांकन की दशा में उसे पृथक् रूप से दर्शित किया जाएगा। संबंधित विनिर्मितियों को अप्रत्यक्ष आस्तियों के आबंटन का आधार साम्यापूर्ण और युक्तियुक्त होगा तथा समरूपतः उसे लागू किया जाएगा।

(3) जहां भी विश्व व्यापार संगठन के उपबंध लागू होते हैं। देशीय और विश्व बाजार में उत्पाद की प्रतियोगिता और विश्व व्यापार संगठन के उपबंधों से उद्भूत प्रतियोगिता के समाघात से उपगत व्ययों, यदि कोई हो, की पहचान करने के लिए उचित अभिलेख रखे जाएंगे। विनिर्मित उत्पाद के बाजार अंश और देश में आयातित

प्रतियोगी माल के कारण उस पर संभावित प्रभाव के यथोचित सांख्यिकीय अभिलेख भी रखे जाएंगे। इन अभिलेखों में अन्य बातों के साथ-साथ आयातों के कुल परिणाम आयातकों के मूल के देशों के नाम उपदर्शित होंगे और जिनमें ऐसे आनुभाविक साक्ष्य अंतर्विष्ट होंगे जो यह दर्शित कर सकें कि क्या ऐसे आयातों के उत्पाद के बाजार अंश को राशिपाटन और प्रभावित करने वाले के रूप में समझा जा सकता है या नहीं। ऐसे समुचित अभिलेख भी रखे जाएंगे जिनमें ऐसे विस्तृत व्यौरे होंगे जो यह दर्शाने के लिए आवश्यक हो कि उत्पाद की निर्यात कीमत ऐसी नहीं है कि गैट 94 के अनुच्छेद (iv) के अधीन प्रतिपाटन उपायों के बारे में विश्व व्यापार संगठन के उपबंध लागू करने पर आयात करने वाले देश में पाटन के रूप में समझा जा सके।

20. कैपटिव उपयोग :

यदि विनिर्मितियों/मध्यवर्तियों में से कोई कैपटिव उपयोग के लिए प्रयुक्त होती है तो स्वयं के उपयोग के लिए कंपनी के अन्य विभागों या यूनिटों को अंतरित और बाहरी पक्षकारों को बेची गई विनिर्मितियों के प्रत्येक मद की मात्रा और लागत दर्शित करने वाले समुचित अभिलेख रखे जाएंगे। वे दर, जिन पर अंतरण प्रभावित होते हैं, केवल लागत पर होंगी। तथापि औषधियों की ऐलोपैथिक प्रणाली की दशा में विक्रय कीमत तथा केन्द्रीय सरकार द्वारा औषधि (कीमत नियंत्रण) आदेश, 1995 के अधीन अधिसूचित अंकित कीमत सुसंगत लागत कथनों में पाद टिप्पणों के रूप में दर्शित की जाएंगी और उनमें वह आधार भी उपदर्शित किया जाएगा जिस पर अंकित कीमत तय की गई है।

21. प्रदूषण नियंत्रण :

पर्यावरण संरक्षण के लिए कंपनी द्वारा अनेक उपायों जैसे बहिःस्त्राव उपचार, वायु, जल प्रदूषण नियंत्रण आदि पर उपगत व्यय समुचित रूप से अभिलिखित किया जाना चाहिए।

22. मानव संसाधनों का विकास :

कंपनी द्वारा मानव संसाधनों के विकास के क्रियाकलापों पर उपगत व्यय को अभिलिखित किया जाएगा।

23. अंतर कंपनी अंतरण :

(1) किसी कंपनी द्वारा अपनी नियंत्रिणी कंपनी या समनुषंगी अथवा किसी ऐसी कंपनी को, जिसे “संबद्ध पक्ष संबंध” कहा गया है, जैसा कि नीचे परिभाषित किया गया है और विपर्ययन किए गए संबंध पक्षकार संव्यवहारों, किए गए प्रदायों अथवा दी गई सेवाओं की बाबत उनके द्वारा की गई संविदाओं, करारों या वचनबंधों को दर्शित करते हुए अभिलेख रखे जाएंगे—

(क) कच्ची सामग्री, तैयार उत्पाद, संसाधित सामग्री, रसायनों और स्क्रेप आदि सहित अस्वीकृत माल का क्रय और विक्रय ;

(ख) संयंत्र सुविधाओं और तकनीकी ज्ञान का उपयोग ;

(ग) उपयोगिताओं और किन्हीं सेवाओं का प्रदाय ;

(घ) प्रशासनिक, तकनीकी, प्रबंधकीय अथवा कोई अन्य परामर्शदात्री सेवाएं ;

(ङ) संयंत्र और मशीनरी सहित पूंजीगत माल का क्रय और विक्रय ;

(च) निर्देशाधीन उत्पाद के उत्पादन, प्रसंस्करण या विक्रय से संबंधित कोई अन्य संदाय ;

इन अभिलेखों में ऐसे उत्पादों या सेवाओं के लिए प्रभारित या संदत्त दरों को तय करने के लिए अनुसरण किए गए आधारों को भी उपदर्शित किया जाएगा जिससे कि ऐसी दरों की युक्तियुक्तता का अवधारण किया जा सके जहां तक कि उनका संबंध किसी भी रीति में निर्देशाधीन उत्पाद से है ।

(2) निम्नलिखित “संबंधित पक्षकार संबंध” द्वारा किए गए संव्यवहार उपनियम (1) के अन्तर्गत आएंगे :—

(क) वे उद्यम जो प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्तियों के माध्यम से रिपोर्टगत उद्यम को (जिसके अन्तर्गत नियंत्री कंपनी, समनुषंगी और सहयोगी समनुषंगी हैं) नियंत्रित करते हैं या उसके द्वारा नियंत्रित होते हैं अथवा उनके सामान्य नियंत्रण में हैं ;

(ख) रिपोर्टकर्ता उद्यम के सहबद्ध और सहउद्यम और वे विनिधान पक्षकार अथवा उद्यम जिनकी बाबत रिपोर्टकर्ता उद्यम कोई सहबद्ध अथवा सहउद्यम है ;

(ग) ऐसे व्यक्ति को, रिपोर्टकर्ता उद्यम में प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः मत देने की शक्ति में हित रखता है जो उन्हें उद्यम और किसी ऐसे व्यक्ति के संबंधी के ऊपर नियंत्रण अथवा महत्वपूर्ण असर प्रदान करता है ;

(घ) मुख्य प्रबंध कार्मिक और ऐसे कार्मिक के नातेदार ; और

(ङ) ऐसे उद्यम जिनके ऊपर (ग) अथवा (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण असर का प्रयोग करने में समर्थ है । इसके अंतर्गत रिपोर्टकर्ता उद्यमों के निदेशकों अथवा प्रमुख शेरधारकों के स्वामित्वाधीन उद्यम जो रिपोर्टकर्ता उद्यम के साथ मुख्य प्रबंधन के सदस्य हैं ।

यद्यपि, निम्नलिखित को “संबद्ध पक्षकार संबंध” नहीं समझा जाएगा :—

(क) उपर्युक्त पैरा (घ) अथवा (ङ) में किसी बात के होते हुए भी वे दो कंपनियां केवल मात्र इस कारण कि उनका एक सम्मिलित निदेशक है, (जब तक कि निदेशक दोनों कंपनियों के पारस्परिक व्यवहार में उनकी नीतियों को प्रभावित करने में समर्थ न हो) ;

(ख) कोई एकल उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, विशेषाधिकारी, वितरक अथवा साधारण अभिकर्ता जिनके साथ कोई उद्यम कारबार का महत्वपूर्ण संव्यवहार मात्र आर्थिक निर्भरता के परिणामस्वरूप करता है ;

(ग) नीचे सूचीबद्ध पक्षकार, जो अपने सामान्य व्यवहार में किसी उद्यम के साथ केवल उन्हीं व्यवहारों के कारण संव्यवहार करते हैं (यद्यपि वे उद्यम की कार्य करने की स्वतंत्रता को सीमित कर सकने अथवा उसकी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे ;

(i) वित्त उपलब्ध कराने वाले ;

- (ii) व्यापार संघ ;
- (iii) लोक उपयोगिताएं ;
- (iv) सरकारी विभाग और सरकारी अभिकरण जिनके अंतर्गत सरकारी प्रायोजित निकाय भी हैं ।

स्पष्टीकरण—इन नियमों के प्रयोजन के लिए,—

- (क) “संबद्ध पक्षकार संबंध” से वे पक्षकार अभिप्रेत हैं जिन्हें किसी भी समय रिपोर्टगत अवधि के दौरान संबंधित समझा गया हो, एक पक्षकार अन्य पक्षकार को नियंत्रित करने की योग्यता रखता हो अथवा वित्तीय और/या प्रचालनकारी विनिश्चयों के करने में अन्य पक्षकार के ऊपर महत्वपूर्ण असर रखता हो ;
- (ख) “सहबद्ध पक्षकार व्यवहार” से संबंधित पक्षकारों के बीच संसाधनों अथवा दायित्वों का अंतरण अभिप्रेत है, चाहे उसके लिए कीमत प्रभारित की गई हो या नहीं ;

(ग) “नियंत्रण” से,—

- (i) किसी उद्यम की मतदान शक्ति के आधे से अधिक का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः स्वामित्व ; या
- (ii) किसी कंपनी की दशा में निदेशक बोर्ड की संरचना का नियंत्रण अथवा किसी अन्य उद्यम की दशा में तत्स्थानी शासी निकाय की संरचना का नियंत्रण ; या
- (iii) मतदान शक्ति में सारवान हित और उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीतियों को कानून या कशर द्वारा निदेश देने की शक्ति ।

(घ) “महत्वपूर्ण असर” से किसी उद्यम की वित्तीय अथवा प्रचालन नीति विषयक विनिश्चयों में भाग लेना अभिप्रेत है किन्तु उन नीतियों का नियंत्रण करना नहीं ;

(ङ) “सहयुक्त” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिसमें कोई विनिधानकारी रिपोर्टगत पक्षकार महत्वपूर्ण असर रखता है और जो उस पक्षकार का न तो समनुषंगी है और न सहउद्यम है ;

(च) “सहउद्यम” से कोई ऐसी संविदात्मक व्यवस्था अभिप्रेत है जिसके द्वारा दो या अधिक पक्षकार किसी आर्थिक क्रियाकलाप को करने का वचनबंध करते हैं, जो संयुक्त नियंत्रण के अध्वधीन है ;

(छ) “संयुक्त नियंत्रण” से आर्थिक क्रियाकलापकी वित्तीय और प्रचालन नीतियों को शासित करने की शक्ति संविदात्मक रूप से करार के अनुसार हिस्सा बांटना अभिप्रेत है जिससे कि इससे फायदा अभिप्राप्त किया जा सके ;

(ज) “मुख्य प्रबंध कार्मिक” से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिनके पास रिपोर्टकर्ता उद्यम के क्रियाकलापों का नियोजन, निदेशन और नियंत्रण करने का प्राधिकार और दायित्व है ;

(झ) किसी व्यक्ति के संबंध में, “नातेदार” से पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता अभिप्रेत हैं जो रक्त नातेदारी से संसक्त हो सकेंगे ;

(ञ) “नियंत्रि कंपनी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातर्गत कोई नियंत्रि कंपनी अभिप्रेत है ;

(ट) “समनुषंगी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातर्गत कोई समनुषंगी कंपनी अभिप्रेत है ;

(ठ) “सहयोगी समनुषंगी” से वह कंपनी अभिप्रेत है जो किसी अन्य कंपनी की सहयोगी समनुषंगी है यदि दोनों उसी नियंत्रि कंपनी की समनुषंगी हैं ;

(ड) “राज्य नियंत्रित उद्यम” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जो केंद्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है ।

24. बहुउद्देशीय वैसेल - यदि किसी विशिष्ट वैसेल या ऐसे वैसेल के लिए एक से अधिक विनिर्माण प्रक्रियाओं को अपनाया जाता है तो विभिन्न उत्पादों के लिए ऐसे वैसेल के प्रयोग के बारे में पर्याप्त अभिलेख रखे जाएंगे । ऐसे वैसेल को प्रयोग करने की लागत विभिन्न उत्पादों पर साम्यापूर्ण आधार पर जैसे उपस्कर अधिभोग प्रयोग, घंटे आदि पर भारित की जाएगी । जहां संयुक्त मशीन घंटा दरे मजदूरी, उपरिध्यय और उपस्कर प्रयोग के आमेहन के लिए उपयोजित की जाती है वहां विभिन्न उत्पादों के विनिर्माण के संबद्ध विभिन्न प्रक्रियाओं के लिए श्रम उपयोजन और बहुउद्देशीय वैसेल से संबंधित समुचित अभिलेख रखे जाएंगे ताकि कुल मशीन कार्य घंटे और संबंधित विनिर्मितियों या मध्यवर्तियों पर प्रभाय रकम का अवधारण किया जा सके । वास्तविक और पूर्वाधारित दरों पर भारित रकम के बीच के अंतर का कालिक और वर्ष के अंत में वास्तविक उत्पादन लागत निकालने के लिए समायोजन किया जाएगा ।

प्रोफार्मा “क”

कंपनी का नाम :

कारखाने का नाम और पता :

ओषधि अनुज्ञप्ति सं. और तारीख :

वर्ष/अवधि के दौरान उत्पादित और उपयोग की गई विद्युत, वाष्प, जल बहिस्त्राव उपचार आदि जैसी उपयोगिताओं की लागत को दर्शित करने वाला विवरण

क. मात्रा संबंधी सूचना

क्रम सं.	विशिष्टियां	चालू वर्ष (यूनिट)	पिछला वर्ष (यूनिट)
1.	स्थापित क्षमता		
2.	उत्पादित मात्रा		
3.	क्षमता का उपयोग		
4.	पुनःचक्रित मात्रा		
5.	क्रय की गई मात्रा		

6.	विद्युत गृह में उपभोग जिसके अंतर्गत अन्य हानियां भी हैं		
7.	उपयोग किए गए शुद्ध यूनिट		

ख. लागत सूचना :

क्रम सं.	विशिष्टियां	मात्रा	दर (रुपए) प्रति यूनिट	रकम (रुपए) लाख में	प्रति यूनिट लागत (रुपए)	
					चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क.1.	सामग्री (निवेश विनिर्दिष्ट करें)					
	(क)					
	(ख)					
	(ग)					
2.	उपयोगिताएं (विनिर्दिष्ट करें)					
	(क)					
	(ख)					
	(ग)					
3.	खपने वाला सामान और अतिरिक्त पुर्जे					
4.	वेतन और मजदूरी					
5.	मरम्मत और अनुरक्षण					
6.	अन्य उपरिष्यय					
7.	अवक्षयण					
8.	योग					
9.	घटाए : (यदि कोई हो)					
10.	शुद्ध योग					

ख. निम्नलिखित में प्रभावित

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.

टिप्पण : 1. प्रत्येक उपयोगिता और बहिस्त्राव उपचार के लिए पृथक लागत पत्र तैयार किया जाना है।

टिप्पण : 2. यदि कोई उपयोगिता या सेवा जो कंपनी द्वारा विनिर्मित की जाती है, और कंपनी की किसी अन्य यूनिट को अंतरित की जाती है या उसका विक्रय बाहरी पक्षकारों को किया जाता है तो ऐसे विक्रय या अंतरण की बाबत पृथक लागत पत्र तैयार किया जाएगा जो संबंधित उपयोगिता की विक्रय लागत पर प्रभावी होगा।

8.	प्रशासनिक उपरिव्यय									
9.	घटाएं : उधार (यदि कोई हो)									
10	उप योग									
11	आरंभिक/अंतिम चालू काम के लिए समायोजन									
12	योग									
13	मशीन घंटे/ प्रत्यक्ष श्रम घंटे (क) उपलब्ध (ख) कार्य किया गया									
14	प्रति मशीन घंटे/श्रम घंटे लागत (क) चालू वर्ष (ख) पूर्व वर्ष									

टिप्पण 1. - लागत केन्द्र का नाम भरा जाए जो उत्पाद को लागू होता है।

टिप्पण 2 विनिर्मितियों के प्रत्येक प्रकार और आकार के पैक के लिए उपयोग किए गए वास्तविक प्रत्यक्ष श्रम/मशीन घंटे बैच बार अभिलिखित किए जाएंगे।

टिप्पण 3 जहां विनिर्माण की किसी विशिष्ट प्रक्रिया के लिए किसी विशेष मशीन जैसे उच्च गति की स्वचालित मशीनों आदि का उपयोग किया जाता है वहां ऐसी प्रत्येक मशीन के समूह के लिए पृथक लागत केन्द्र खोला जाएगा।

टिप्पण 4 प्रशासनिक उपरिव्यय उस सीमा तक उत्पादन लागत में सम्मिलित किए जाएंगे जिस तक ये उत्पादित माल को उनकी वर्तमान अवस्थिति और दशा में लाने में सहयोग करते हैं। प्रशासनिक उपरिव्ययों का अतिशेष, यदि कोई हो, विक्रय किए गए माल की लागत में सम्मिलित किया जाएगा। यदि अपेक्षित हो तो प्रोफार्मा में तदनुसार संशोधन किया जा सकेगा।

प्रोफार्मा ग

कंपनी का नाम :

कारखाने का नाम और पता :

ओषधि अनुज्ञप्ति सं. और तारीख

..... को समाप्त वर्ष के लिए विभिन्न उत्पादों (विनिर्दिष्ट करें) की संपरिवर्तन लागत के प्रभाजन को दर्शाने वाला विवरण ।

क्रम सं.	उत्पाद/विनिर्मिति (विनिर्दिष्ट की जाए)	आकार और मात्रा	लागत केन्द्र (विनिर्दिष्ट किया जाए)								कुल रुपए
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10		
			x y	x y	x y	x y	x y	x y	x y		
क	संपर्कितन लागत का प्रभाजन										
1											
2											
3											
4											
5											
6											
आदि											
योग											
ख	पैकिंग लागत का प्रभाजन	पैक का प्रकार और आकार	प्राथमिक पैकिंग लागत केन्द्र (विनिर्दिष्ट किया जाए)								
			11	12	13	14	15	16	योग		
			X Y	X Y	X Y	X Y	X Y	X Y	X Y		

1																
2																
3																
4																
5																
6																
आदि																
योग																

टिप्पण: X = वास्तविक रिकार्डिंग या प्रभाजन के किसी अन्य समुचित आधार के अनुसार उपयोग किए गए वास्तविक प्रत्यक्ष श्रम/मशीन के घंटे

Y= रुपयों में संपरिवर्तन लागत

प्रोफार्मा घ

.....(वित्तीय वर्ष वर्णित करें).....को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक प्रकार की विनिर्मितियों की बाबत संक्षिप्त उत्पादन लागत, विक्रय लागत, विक्रय वसूली और फायदे को दर्शित करने वाला विवरण ।

कंपनी का नाम

कारखाने का नाम और पता

ओषधि अनुज्ञप्ति सं. और तारीख

क्रम सं.	विशिष्टियां				
1	विनिर्मित/विपणित विनिर्मितियों (व्यापार चिन्ह सहित)का नाम और इसकी संरचना				
2	विनिर्मिती का प्रकार	सादा/ लेपित टैबलेट, मुलायम/कड़ा/मुद्रित कैपसूल बैंड सहित/बैंड के बिना, स्टेराइल/नान स्टेराइल द्रव/पाउडर/मरहम/क्रीम आदि (कृपया विनिर्दिष्ट करें)			
3	पैकिंग का प्रकार	एल्यूमीनियम/पेपर/सेलोफेन/ब्लिस्टर स्ट्रिप्स/वायल्स/एम्पूल बोटल/टिन/जार आदि (कृपया विनिर्दिष्ट करें)			
4	पैक का आकार	(कृपया विनिर्दिष्ट करें)			
5	बैच का आकार				
6	उत्पादन	मानक		वास्तविक	
		छालू वर्ष	पूर्व वर्ष	छालू वर्ष	पूर्व वर्ष
I	प्रभरित बैचों की संख्या				
Ii	उत्पादित बैचों की संख्या				
Iii	उत्पादित कुल मात्रा				
Iv	पैक की गई मात्रा				
V	(क) प्रत्येक पैक आकार में विक्रय की गई मात्रा (ख) विक्रय किए गए पैकों की कुल संख्या				

Vi	उत्पाद शुल्क अभिलेखों से मिलान किए गए उत्पाद का निर्धारणीय मूल्य				
----	--	--	--	--	--

क्रम सं.	विशिष्टियां	यूनिट	मात्रा			दर	रकम	प्रतियूनिट लागत	
			सैद्धांतिक मात्रा	वास्तविक अधिकवय	कुल मात्रा			चालू वर्ष	पूर्ववर्ष
क	1. कच्ची सामग्री (क) आयातित (निवेश विनिर्दिष्ट करें) (ख) देशी - क्रय की गई (निवेश विनिर्दिष्ट करें) (ग) स्वयं द्वारा उत्पादित/विनिर्मित (मुख्य मद विनिर्दिष्ट करें) (घ) घटाएं: अपशिष्ट/अस्वीकृत 2. कुल कच्ची सामग्री की लागत								
ख	प्राथमिक पैकिंग सामग्री 1. सामने के उपयोग के लिए एल्यूमीनियम/पीवीसी/सेलोफेन, ब्लिस्टर फायल आदि 2 पीछे के उपयोग के लिए एल्यूमीनियम/पीवीसी/सेलोफेन, ब्लिस्टर फायल आदि 3. बोतल/आधान/ट्यूब आदि 4. एम्पूल्स/वायल्स आदि 5. कैप्स/सेल्स आदि 6. इश्तिहार 7. कार्टून्स 8. अन्य - विनिर्दिष्ट करें								

	9. घटाएँ - अस्वीकृत /अपशिष्ट योग(ख 1 से ख 9)							
ग	(I) संपरिवर्तन लागत (1) तोल और मिश्रण (2) फिल्डेशन (3) सोल्यूशन/मरहम का विनिर्माण (4) निरीक्षण (5) क्वालिटी नियंत्रण (6) परीक्षण (7) अनुसंधान और विकास (8) इत्यादि (विनिर्दिष्ट करें) योग (II) पैकिंग लागत (III) अन्य व्यय (1) स्वामित्व (2) भंडारण (3) अन्य (विनिर्दिष्ट करें) योग (सी III 1 से III 3)							
	(IV) कुल संपरिवर्तन लागत जमा पैकिंग लागत और अन्य व्यय							
घ	आरंभिक और अंतिम धालू काम के मूल्य में अंतर का समायोजन							
ङ	लागत अंतर का समायोजन							
च	उत्पादन की कुल लागत							
छ	गौण पैकिंग सामग्री (1) कार्टून (2) इश्तिहार							

	(3) ड्रापर (4) बक्से (5) गोंद टेप (6) अन्य (विनिर्दिष्ट करें) (7) घटाएं - अस्वीकृत / अपशिष्ट योग (छ 1 से छ 7)								
ज	गौण पैकिंग लागत/प्रभार (1) कार्टूनिंग (2) बाक्सिंग (3) अन्य (विनिर्दिष्ट करें) (4) योग (ज 1 से ज 3)								
झ	(1) पैक उत्पाद की कुल लागत (च + छ + ज) (2) घटाएं : क्लीनिकल/सैंपल/ट्रायल्स आदि के लिए अंतरित मात्रा जमा- आरंभिक पैक स्टॉक घटाएं : अंतिम पैक स्टॉक (3) विक्रय किए गए माल की लागत (क) घरेलू विक्रय (ख) निर्यात								
3।	(1) वितरण लागत (विवरण दीजिए) (2) विक्रय सम्वर्धन व्यय (विवरण दीजिए) i थोक विक्रेता ii सी एंड एफ अभिकर्ता iii फुटकर विक्रेता								

	iv अन्य (विनिर्दिष्ट करें) (3) व्यापार कमीशन i थोक विक्रेता ii सी एंड एफ अभिकर्ता iii फुटकर विक्रेता iv अन्य (विनिर्दिष्ट करें) (4) अन्य (विवरण दें) योग (अ से अ 4)							
ट	ब्याज							
ठ	अन्य व्यय और आय जो लागत में सम्मिलित नहीं है (विवरण दें)							
ड	उत्पाद शुल्क को छोड़कर कुल लागत							
ढ	शुद्ध विक्रय वसूली का योग (उत्पाद शुल्क को छोड़कर) जमा: निर्यात फायदे और प्रोत्साहन, यदि कोई हो							
ण	अंतर							
त	उत्पाद शुल्क को छोड़कर अधिकतम फुटकर कीमत							
थ	डी पी सी ओ के अधीन अधिकतम कीमत जो लागू हो							
द	उत्पाद का निर्धारणीय मूल्य							
ध	उत्पाद शुल्क							

टिप्पण

1. प्रत्येक प्रकार या विवरण की विनिर्दिष्टी के लिए पृथक प्रोफार्मा तैयार किया जाएगा ।
2. निर्यातित उत्पादों की बाबत इस प्रोफार्मा में विनिर्दिष्ट ब्योरो को अंतर्विष्ट करने वाला पृथक प्रोफार्मा तैयार किया

जाएगा ।

3. अधिकवय, यदि कोई हो, सहित उपभुक्त वास्तविक मात्रा इस प्रोफार्मा में सम्मिलित की जानी चाहिए ।
4. टैबलेट्स, कैप्सूलों, सीरपों, इंजेक्टेबल्स, मरहम आदि की बाबत संपरिवर्तन लागत को पृथक रूप से केन्द्रवार लागत के रूप में उपदर्शित किया जाएगा ।
5. सरकार द्वारा नियत कीमत से अधिक कीमत पर विक्रय मद्दे अधिक प्रभार के दायित्व, यदि कोई हो, दिए जाएंगे
6. टैबलेट्स, कैप्सूलों, सीरपों, इंजेक्टेबल्स, मरहम आदि की बाबत पैकिंग लागत को पृथक रूप से केन्द्रवार लागत के रूप में उपदर्शित किया जाएगा ।
7. मात्रा और लागत दोनों में ही असामान्य हानि को, यदि कोई हो, पृथक विवरण में, उसके कारणों और प्रति यूनिट प्रभाव को उपदर्शित करते हुए दर्शित किया जाएगा ।
8. निर्यात प्रोत्साहन मूल्य और निर्यातों पर प्राप्त अन्य फायदों को विक्रय वसूली में सम्मिलित किया जाएगा ।
9. प्रशासनिक उपरिख्य उस सीमा तक उत्पादन लागत में सम्मिलित किए जाएंगे जिस तक वे उत्पादित माल को उनकी वर्तमान अवस्थिति और दशा में लाने में सहयोग करते हैं । प्रशासनिक उपरिख्यों का अतिशेष, यदि कोई हो, विक्रय किए गए माल की लागत में सम्मिलित किया जाएगा । यदि अपेक्षित हो तो प्रोफार्मा में तदनुसार संशोधन किया जा सकेगा ।

प्रोफार्मा ' इ '

कंपनी का नाम :

कारखाने का नाम और पता :

ओषधि अनुज्ञप्ति सं. और तारीख

..... को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए विनिर्मितियों और अन्य क्रियाकलापों के बीच कंपनी के कुल उत्पादन और कुल वास्तविक व्ययों और आय के आबंटन को दर्शाने वाला विवरण

..... को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए कुल व्ययों और आय के आबंटन

क्रम सं.	विशिष्टियां	कुल वास्तविक व्यय - संपरीक्षित वार्षिक लेखाओं के अनुसार	अन्य क्रिया कलापों को लागू अंश	विनिर्मितियों को लागू अंश	पुंज ओषधियों यदि कोई हो, को लागू अंश	आबंटन का आधार
1	2	3	4	5	6	7
1.	उपभोग की गई कच्ची सामग्री					
2.	उपभुक्त पैकिंग सामग्री					
3.	उपभुक्त प्रसंस्करण सामग्री/ रसायन					
4.	वेतन और मजदूरी					
5.	उपयोगिताएं					
6.	खपने वाला सामान और अतिरिक्त पुर्जे					
7.	अवक्षयण					
8.	मरम्मत और अनुस्क्षण					
9.	स्वामिस्व					
10.	अनुसंधान और विकास					
11.	गुणवत्ता नियंत्रण					

12.	अन्य कारखाने उपरिख्य					
13.	प्रशासनिक उपरिख्य (क) वेतन और मजदूरी (ख) अन्य (विनिर्दिष्ट करें) (ग) योग (क + ख)					
14.	योग (1 से 13)					
15.	घटाए उत्पाद (छीजन और उपोत्पादों से)					
16.	स्टाक समायोजन (चालू काम)					
17.	उत्पादन लागत					
18.	स्टाक समायोजन (तैयार उत्पाद)					
19.	बिना पैक किए तैयार माल के उत्पादन की शुद्ध लागत					
20.	घटाए : कैप्टिव उपयोग					
21.	पैकिंग लागत					
22.	घटाए—पैक दशा में कैप्टिव उपयोग					
23.	पैक उत्पादों की शुद्ध संकर्म वाह्य लागत					
24.	विक्रय और वितरण व्यय (क) वेतन और मजदूरी (ख) भाड़ा और परियहन प्रभार (ग) विक्रय अभिकर्ताओं को कमीशन (घ) विज्ञापन व्यय (ङ) स्वामिस्व (च) अन्य (छ) योग (क + च)					
25.	विक्रय लागत					
26.	ब्याज					

27.	अन्य व्यय/आय जो लागत में सम्मिलित नहीं है (ब्यौरे दिए जाएँ)					
28.	कुल लागत (उत्पाद-शुल्क को छोड़कर)					
29.	कुल विक्रय वसूली- उत्पाद शुल्क को छोड़कर जोड़े : निर्यात फायदे और प्रोत्साहन यदि कोई हो					
30.	अंतर (29-28)					

टिप्पण 1 यदि औषध की एक प्रणाली की विनिर्मितियों के अतिरिक्त, ऐलोपैथिक, आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक आदि की तरह की औषध की अन्य प्रणालियों की विनिर्मितियां उत्पादित/विनिर्मित की जाती हैं तो औषध की प्रत्येक ऐसी प्रणाली की बाबत प्रोफार्मा के स्तंभ 5 की तरह का एक अतिरिक्त स्तंभ खोला जाएगा।

टिप्पण 2 इस प्रोफार्मा में आय और व्यय के सभी मदों का सुसंगत अवधि के वित्तीय लेखाओं के साथ मिलान किया जाएगा।

[फा. सं. 52/17/सीएबी-2000]
ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण.—(1) मूल निघ्न सा.का.नि. सं. 452 दिनांक 22 अप्रैल, 1988 द्वारा प्रकाशित किए गए और पश्चात्तर्वर्ती संशोधन निम्नलिखित द्वारा किए गए :

1. सा.का.नि. सं. 571(अ) दिनांक 22 जुलाई, 1989
2. सा.का.नि. सं. 331 (अ) दिनांक 24 मार्च, 1993
3. सा.का.नि. सं. 455 (अ) दिनांक 3 अगस्त, 1998

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS**(Department of Company Affairs)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 28th September, 2001

G.S.R. 706(E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 642, read with clause (d) of sub-section (1) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cost Accounting Records (Formulations) Rules, 1988, namely:—

1. (1) These rules may be called the Cost Accounting Records (Formulations) Amendment Rules, 2001

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Cost Accounting Records (Formulations) Rules, 1988 (hereinafter referred to as the said rules), —

(A) for rule 2, the following shall be substituted, namely:—

“Application- These rules shall apply to every company engaged in the production, processing or manufacture of formulations under any system of medicine including Ayurvedic, Homeopathic, Siddha and Unani formulations excepting those companies falling under the category of Small Scale Industrial Units” ;

(B) in rule 2.3, for clause (b), the following shall be substituted, namely:—

“(b) the expression “formulation” means a medicine processed out of, or containing one or more bulk drugs with or without the use of any pharmaceutical aids for internal or external use for or in the diagnosis, treatment, mitigation or prevention of disease in human beings or animals and shall include—

- (i) any medicine included in any bonafide Ayurvedic (including Sidha) or Unani (Tibb) systems of medicines,
- (ii) any medicine included in the Homeopathic system of medicine.

(c) "bulk drug" means any pharmaceutical, chemical, biological or plant product including its salts, esters, stereo-isomers and derivatives, which are used as such or as an ingredient in any formulation" ;

(C) in rule 3,-

(i) in sub-rule (1), after the words "after the commencement of these rules", the words, figures and letters "till the 31st day of March, 2002 or the close of the relevant financial year in 2002" shall be inserted;

(ii) after sub-rule (2), the following sub-rules shall be inserted, namely: -

"(2A) Every company to which these rules apply shall, in respect of each of its financial year commencing on or after the 1st day of April, 2002 keep proper books of account relating to the utilization of materials, labour and other items of cost in so far as they are related to the production or manufacture or processing of Formulations. The books of account, so maintained shall contain, inter-alia, the particulars specified in Schedule III annexed to these rules and Proformae A, B, C, D and E mentioned in the said Schedule:

Provided that if the said company is manufacturing any other product(s) or is engaged in other activities in addition to manufacture of Formulations, the particulars relating to utilization of materials, labour and other items of cost in so far as they are related to the manufacture of such other products or activities shall not be included in the cost of Formulations referred to in rule 2.

(2B) The books of account referred to in sub-rule (2A) shall be kept on a regular basis in such a manner as to make it possible to calculate the cost of production and cost of sales of each type of Formulations produced, processed or manufactured for every financial year from the particulars entered therein. Every such books of account and the Proforma specified in the said Schedule III shall be completed not later than ninety days from the close of the financial year of the company to which it relate.

(2C) The statistical and other records shall be maintained in accordance with the provisions of the Schedule III which shall be such as to enable the company to exercise, as far as possible, control over the various operations and costs with a view to achieve optimum economies in cost. These records shall also provide the necessary data required by the Cost Auditor to suitably report on all the points referred to in the Cost Audit (Report) Rules, 1996 as amended from time to time" ;

(iii) in sub-rule 3, for the words, brackets and figures " provisions of sub-rules (1) and (2)" the words, brackets, figures and letters " provisions of sub-rules (1), (2), (2A), (2B) and (2C)", shall be substituted.

- (D) in the said rules, after Schedule II, the following Schedule and Proformae A, B, C, D and E shall be inserted, namely: -

**"SCHEDULE III
[See rule 3(2A)]**

1. MATERIALS

(1) The proper records shall be maintained showing separately all receipts, issues and balances both in quantities and cost of each item of direct materials such as bulk drugs, pharmaceutical aids, excipients etc. required and actually used in the manufacture of different types of formulations batch-wise. The basis on which said quantities and costs of issue and consumption have been calculated shall be indicated in the cost records and followed consistently. In the case of imported raw materials proper records shall be maintained showing FOB value, overseas freight, insurance, customs duty and inland freight charges. If both indigenous and imported materials are consumed, the records showing details of percentage mix of the same have to be maintained for each item. In the case of imported raw material proper records shall be maintained showing license-wise allowed quantities, actual quantities imported, actual quantities consumed, quantities in stock and quantities yet to be imported out of total licensed quantities.

1(a). In case, any bulk drug/intermediate/process chemical already covered under the Cost Accounting Records (bulk drugs) Rules prescribed, is manufactured by the company, proper cost records shall be maintained as per those rules so as to arrive at the cost of such items.

(2) The proper records shall be maintained separately showing the receipts, issues and balances both in quantities and cost of each item of process material, chemicals and solvents used in the manufacture of formulations. The cost shall include all direct charges upto works.

(3) Where basic raw materials or ingredients are produced or farm products raised by the company, separate records showing the cost of production of each such material indicating the break up of material consumed shall be maintained to determine the cost of process material produced. The basis on which the quantities and costs of issues and consumption of such materials or products produced/raised by the company are calculated shall be indicated in the cost records and followed consistently.

(4) The issues, consumption of production materials shall be identified with the batch of production, departments, and cost centre. Consumption reflected in cost records should correspond to the data recorded in manufacturing register under the drug Rules.

(5) The proper records shall be maintained indicating the quantity as well as value of by-products recovered in different processes having significant value in relation to cost of materials. In the case of certain by-products recovered, which cannot be reused in the process and are sold or disposed of without further processing, the realisation from such sales shall be recorded and adjusted against the process concerned. In case further processing is necessary to make the by-products usable or saleable, as the case may be, adequate records of the cost involved for such further processing shall be maintained. If such processing is done by any outside agency, proper records to show the quantity sent for processing, quantity received back after processing and the cost incurred thereon shall be maintained in detail. The net realisation, if any shall be adjusted against the major process relating to such by-product. The cost of by-products shall be determined on equitable and reasonable basis and applied consistently. The records indicating the actual sales realisation of by-products shall also be maintained. Similar procedure shall be followed in the case of joint products/by products obtained in respect of other systems of medicines also

(6) The proper records shall be maintained to show the receipts, issues and balances, both in quantities and cost of each item of consumable stores, other chemicals not covered by sub-rule (2), tools and machinery spares. The cost shall include all direct charges upto works. Adequate quantitative records for determining the net consumption of pharmaceutical aids, excipients etc. which are used for manufacturing shall be maintained. The cost records shall clearly indicate absorption or loss in the process of these items used for the production of each formulation in a scientific manner.

(7) In the case of consumable stores and small tools the cost of which are insignificant, the company may, if it so desires, maintain such records for the group of such consumable stores and tools.

(8) The cost of consumption of consumable stores, small tools and machinery spares shall be charged to the relevant cost centre/department on the basis of actual issues.

(9) The proper records shall be maintained showing the quantity and value of wastage, spoilage, rejections and losses of raw materials, process materials, consumable stores whether in transit, storage, manufacture or at any other stage. The method followed for adjusting the above losses as well as the income derived from the disposal of rejected and waste materials including spoilage, if any, in determining the cost of product shall be indicated in the cost records. Any abnormal wastage or spoilage or rejection shall be indicated distinctly and separately along with reasons thereof.

(10) The proper records shall be maintained to indicate the value of raw materials and components, finished and semi-finished which have not moved for more than twelve months

(11) Where any credit under Central Value Added Tax (CENVAT) or any other benefits of the nature of CENVAT Credit under the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944) are available on any item of material, the cost of such material should be shown after adjusting such credit or benefits.

(12) If any of the materials purchased is processed by an outside party proper records shall be maintained for the quantity sent for processing, quantity received after processing, by products received, if any, and the cost involved in processing.

2. SALARIES AND WAGES:

(1) The proper records shall be maintained to show the attendance and earnings of all employees of the cost centres or departments and the work/batch on which they are employed. The records shall also indicate the following separately for each cost centre/batch or department:

- (a) Piece rate wages (Wherever applicable);
- (b) Incentive wages, either individually or collectively as production bonus or under any other scheme based on output;
- (c) overtime wages;
- (d) earnings of casual labour/contractual labour;
- (e) bonus or gratuity, statutory as well as others,
- (f) contribution to superannuation scheme
- (g) any other earning of the similar nature.

(2) The records shall be maintained in such a manner as to enable the company to furnish necessary particulars under this head in Proforma A, B, C, D and E of Schedule III annexed to these rules. The records may be maintained to book these expenses cost centrewise or departmentwise with reference to activities related to the production of Formulations. Where the employees work in such a manner that it is not possible to identify them with any cost centre or department, the labour charges shall be apportioned to the cost centres or departments on equitable and reasonable basis and applied consistently

(3) The idle labour cost shall be separately recorded under classified headings indicating the reasons therefor. The method of accounting followed for accounting of idle time payments in determining the cost of the product shall be disclosed in the cost records.

(4) Any wages and salaries allocable, to capital works such as additions to plant and machinery, buildings or other fixed assets shall be accounted for under the relevant capital heads. Similarly payments in the nature of deferred revenue expenditure shall be separately recorded under separate classified headings indicating the reasons therefore. The method followed for accounting of such payments in determining the cost of the product shall on equitable and

reasonable basis and applied consistently The said method shall be disclosed in the cost records also

(5) Only such retirement cost, which are likely to provide benefits in terms of savings in cost in future shall be treated as deferred revenue expenditure This amount shall be treated as extraordinary item Therefore these expenses shall not form part of salary and wages and shall be shown separately as an abnormal item of expense Similarly excess of termination benefits for the past period payable over and above the provision made in this regard shall also be treated as abnormal item of expense The expenses on account of any Voluntary Retirement Scheme shall be excluded from valuation of inventories and also for that period As these expenses do not result in putting the inventories to their present location and condition

3. SERVICE DEPARTMENT EXPENSES:

The detailed records shall be maintained to indicate expenses incurred in respect of each service department or cost centre like laboratory, welfare, transport etc These expenses shall be apportioned to other services and production departments on equitable and reasonable basis and applied consistently Where these services are utilised for other products of the company also, the basis of apportionment of such expenses to any type of Formulations and to the other products shall be on equitable and reasonable basis and applied consistently

4. UTILITIES

(1) Water -The proper records showing the quantity and cost of treated, or chilled or raw or soft or demineralised water or brine produced and consumed, if any, for the manufacture of any type of Formulations in different cost centres or departments shall be maintained The cost of treated water apportioned to the cost centres or departments concerned shall be on equitable and reasonable basis and applied consistently

(2) Steam - Where steam is raised by the company, proper records showing the quantity and cost of steam raised and consumed for the manufacture of the Formulations shall be maintained The cost of steam consumed by the Formulations units and by other units of the company shall be apportioned on equitable and reasonable basis and applied consistently Where steam is raised and supplied by any other unit of the company to the Formulations plant, the cost of steam so supplied shall be charged to the Formulations Plant on actual cost basis

(3) Power -Where power is purchased, proper records shall be maintained for the units and cost of power consumed for the production of Formulations in different cost centres or departments Where power is generated by the company itself, adequate records, showing all elements of cost shall be

maintained to show the cost of power generated and consumed for the production of the Formulations in different cost centres or departments. Records shall also indicate installed capacity; number of units generated losses and consumption in each cost centres or departments separately. Where power is generated and supplied by any other unit of the company to the Formulations plant adequate records shall be maintained to indicate the quantity and cost of power so supplied. The cost of power consumed by the Formulations units and by other units of the company shall be apportioned on equitable and reasonable basis and applied consistently. The records shall state clearly the measures taken on conservation of energy and its corresponding impact on per unit cost of production.

(4) Air-Conditioning; - The proper records shall be prepared to enable determination of the cost of air-conditioning and its distribution cost centre-wise or department-wise. The cost of air conditioning shall be apportioned to Formulations on equitable and reasonable basis and applied consistently.

(5) Oxygen/Nitrogen: - The proper records shall be maintained as per the Cost Accounting Record (Industrial Gases) Rules, 1996 as amended from time to time showing the cost of Nitrogen produced or manufactured by the company for use in the production of formulations products. The nitrogen produced by the company shall be charged to formulations products on actual cost only. If the company purchases the nitrogen, proper records showing the quantity purchased and consumed cost centre-wise or department-wise shall be maintained. These records shall show the cost of nitrogen delivered upto works including all direct charges.

(6) LPG: - the proper record showing quantity and cost shall be maintained in respect of LPG purchased by the company for the production of formulation.

(7) Other Utilities: - The proper records showing quantity and cost shall be maintained in respect of any other utilities produced or purchased by the company for the production or manufacture of Formulations.

(8) The Cost Statements for each utility shall be maintained separately in Proforma A.

5. WORKSHOP OR REPAIRS AND MAINTENANCE OR TOOL ROOMS:

(1) The proper records showing the expenditure incurred by the workshop or tool room under different heads and on repairs and maintenance in the various cost centres or departments shall be maintained. The records shall also indicate the basis of charging the workshop or repair and maintenance or tool room expenses to different cost centres or departments. Where maintenance work is done by direct workers of any production cost centre or department, the wages and salaries of such workers shall be treated as direct expenses of the respective cost centre or department. If the services are

utilised for other products also, the manner of charging a share of the cost of workshop or repairs and maintenance or tool room expense, to such products shall be on equitable and reasonable basis and applied consistently

(2) In addition to the above, records shall indicate the amount and also the proportion of closing inventory of stores & spare parts representing items which have not moved for over twenty four months.

(3) The expenditure on major repair works from which benefit is likely to accrue for more than one financial year shall be allocated over the period expected to benefit on equitable and reasonable basis and applied consistently. Such costs shall be shown separately and method of accounting and the basis of the allocation of such costs shall also be clearly indicated in cost records.

6. DEPRECIATION:

Depreciation shall be allocated/apportioned to various cost centres or departments and absorbed on all products on equitable and reasonable basis and applied consistently which shall be clearly indicated in the cost records. If depreciation charged or chargeable to the cost centres or departments is in excess or lower than the depreciation calculated by applying the rates of depreciation prescribed under the provisions of sub-section (2) of Section 205 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), such amount of excess or lower depreciation shall be indicated clearly in the cost records. The cost records shall also show the effect of such excess or lower depreciation as the case may be, on the per unit cost of Formulations. The cumulative depreciation charged in the cost records, against any individual item of asset shall not, however, exceed the original cost of the respective asset

7. OTHER OVERHEADS:

(1) The proper records shall be maintained for the product under reference showing the various items of expenses comprising the other overheads. These expenses shall be analysed, classified and grouped according to functions, namely, works, administration, selling and distribution

(2) Where the company is manufacturing products other than the Formulations there of, the records shall clearly indicate the basis followed for apportionment of the common overheads including head office expenses of the company to such products and Formulations, including capital works. Where certain expenses forming part of overheads can be identified with a particular activity or a product, such expenses shall be first segregated and charged to the relevant activity or product and thereafter the residual expenses under the above categories of overheads shall be apportioned on a reasonable and equitable basis and applied consistently. Overheads chargeable to capital works shall be indicated separately in the cost records. The basis of

apportionment or absorption of overheads to the cost centres or departments and products shall be indicated in the cost records. The records shall be maintained in such a manner as to indicate the details of works, administration, selling and distribution overheads.

8. ROYALTY/TECHNICAL KNOW-HOW FEE:

The adequate records shall be maintained showing the royalty and/or technical know-how fee including other recurring or non-recurring payments of similar nature, if any, made for the product under reference to collaborators or technology suppliers in terms of agreements entered into with them. Such records shall be kept separately in respect of each such collaborator or supplier. The basis of charging royalty amount, including lump sum payment, to the products shall be at the point of incidence in accordance with the royalty agreement and shall be indicated in the cost records.

9. RESEARCH AND DEVELOPMENT EXPENSES:

(1) The proper records showing the details of expenses, if any, incurred by the company for the research and development work on the product covered under these rules according to the nature of development of products, existing and new products and processes, development of process of manufacture, existing and new, design and development of new plant facilities and market research for the existing and new products, shall be maintained separately.

(2) The method of charging these expenses to the cost of Formulations and other products shall be indicated in the cost records. Where the utility of such research and development work extends over more than one financial year, such expenses shall be treated as deferred expenses and charged to the cost of production of the Formulations and other products if any, on equitable and reasonable basis and applied consistently. The following criteria which are only indicative and not exhaustive may be adopted in such cases:

- (i) The product or process is clearly defined and the costs attributable to the product or process can be separately identified.
- (ii) The technical feasibility of the product or process has been demonstrated.
- (iii) The management of the enterprise has indicated its intention to produce and market, or use, the product or process.
- (iv) There is a reasonable indication that current and future research and development costs to be incurred on the project together with expected production, selling and distribution costs are likely to be more than covered by related future revenues/benefits; and
- (v) Adequate resources exist, or are reasonably expected to be available, to complete the project and market the product or process.

(3) The expenses incurred by the Research and Development Department for providing technical know-how to outsiders shall be recorded separately and

excluded from the cost of Formulations. The amount recovered for providing technical know-how to outsiders shall also be indicated separately and excluded from the income arising from the sale of Formulations.

10. QUALITY CONTROL:

The adequate records shall be maintained to indicate the expenses incurred in respect of quality control department or cost centre for product under reference. Where these services are also utilised for other products of the company, the basis of apportionment to Formulations and to other products shall be on equitable and reasonable basis and applied consistently.

11. INTEREST:

The proper records shall be maintained for interest charges paid. The amount of interest shall be allocated or apportioned to the products covered by these rules and other activities on equitable and reasonable basis and applied consistently. The basis of further charging of the share of the interest to the various types of such products shall also be reasonable and equitable and applied consistently. The basis of such allocation or apportionment shall be spelt out clearly in the cost records or statements.

12. EXPENSES OR INCENTIVES ON EXPORTS:

The proper records showing the expenses incurred on the export sales, if any, of the Formulations shall be separately maintained so that the cost of export sales can be determined correctly. Separate cost statement shall be prepared for Formulations exported giving details of export expenses incurred or incentive earned. In case, duty free imports are made, the cost statements should reflect this fact. If the duty free imports have been made after actual production, the statement should reflect this fact also.

13. PACKING EXPENSES:

- (1) The proper records shall be maintained showing separately all receipts, issues and balances both in quantities and cost of various packing materials such as strips, ampoules, vials, bottles, cartons, boxes, labels literature etc. and for wages and other expenses incurred in respect of different sizes of packs adopted for marketing of formulations separately. The details of various packing materials actually used and spoiled shall be maintained in respect of each formulation. Where any formulation is repacked due to defective packing details of such repacking for each formulation, size/packwise shall be maintained if repacking cost is significant. If the company manufactures such packing materials, proper records showing the cost of production of such items shall be maintained

- (2) Where packing expenses are incurred in common, the basis of apportionment of such expenses amongst different types and sizes of formulations and other products shall be equitable and clearly indicated in the cost records and applied consistently.
- (3) The detailed records of the expenses incurred on export packing, if any, shall also be kept separately and exhibited in the relevant cost statements for exports.

14. WORK IN PROGRESS AND FINISHED STOCK:

The method followed for determining the cost of work in progress and finished stock of the Formulations shall be indicated in the cost records so as to reveal the cost element that have been taken into account in such computation. All conversion costs incurred in bringing the inventories to their present location and condition shall be taken into account while computing the cost of work in progress. The method adopted for determining the cost of work in progress and finished goods shall be followed consistently.

15. COST STATEMENTS:

- (1) The cost statement showing details of installed capacity, production, wastage, issues and sales and all elements of cost of the current financial year and previous year shall be prepared for each process adopted in manufacture or production of Formulations in Proformae A, B, C, D and E.
- (2) The product emerging from a process which forms raw material or an input material for a subsequent process shall be valued at the cost of production up to the previous stage.
- (3) If the company is operating more than one plant or factory, separate cost statements as specified above shall be prepared in respect of each plant or factory.

16. PRODUCTION RECORDS:

Quantitative records of all finished goods, whether packed or unpacked showing production, issues for sales and balances of different type of the products under reference produced by the company shall be maintained.

17. RECONCILIATION OF COST AND FINANCIAL ACCOUNTS:

- (1) The cost statements shall be reconciled with the financial statements for the financial year specifically indicating the expenses or incomes not considered in the cost records or statements so as to ensure accuracy and to adjudge the profit of the product under reference with the overall profit of the company. The variations, if any, shall be clearly indicated and explained.

(2) A statement showing the total expenses incurred and income received by the company under different heads of accounts and the share applicable to other products and the products under reference shall be prepared and reconciled with the financial statement.

18. ADJUSTMENT OF COST VARIANCES:

Where the company maintains cost records on any basis other than actual such as standard costing, the records shall indicate the procedure followed by the company in working out the cost of the product under such system. The method followed for adjusting the cost variances in determining the actual cost of the product shall be indicated clearly in the cost records. The cost variances shall be shown against the separate heads and analysed into material, labour, overheads and further segregated into quantity, price and efficiency variances. The reasons for the variances shall be duly explained in the cost records or statements

19. STATISTICAL RECORDS:

(1) The records regarding available machine hours or direct labour hours in different production departments and actually utilised shall be maintained for production of Formulations and shortfall suitably analysed. Suitable records for computation of idle time of machines shall also be maintained and analysed.

(2) The adequate records shall be maintained to enable the company to identify the capital employed, net fixed assets and working capital separately for the production or manufacture of Formulations and other products and other activities. Fresh investments of fixed assets for production of Formulations that have not contributed to the production during the year shall be disclosed separately in the cost records. The records shall, in addition, show assets added as replacement and those added for increasing existing capacity. Also such records as will enable to identify and/or allocate gross fixed assets, accumulated depreciation up to the year, net fixed assets under the heads Land & Buildings, Plant & Machinery, Furniture & Fixture etc. employed for the production of the formulations along with the method and rate of depreciation shall be maintained. The basis of apportionment of common assets to the products(s) under reference shall also be indicated. In case of revaluation of assets, the same should be indicated separately. The basis of allocation of indirect assets to the respective formulations should be reasonable, equitable and shall be followed consistently.

(3) Whenever WTO provisions are attracted, proper records shall be maintained to identify the competitiveness of the product in the domestic as well as global market and the expenses, if any, incurred to combat the competition arising out of WTO provisions. Adequate statistical records shall also be maintained to identify the market share of the product manufactured

and the likely impact thereon on account of competitive goods imported in to the country. These records shall indicate, inter alia, the total volume of imports, names of importers countries of origin and contain such empirical evidence as to show whether such imports can be construed as dumping and affecting the market share of the product. Proper records shall also be maintained, containing such details as may be necessary to show that the export price of the product is not such as to be construed as dumping in the importing country, by applying the provisions of WTO regarding anti dumping measures under Article VI of GATT 94.

20. CAPTIVE CONSUMPTION:

If any Formulations/Intermediate is used for captive consumption the formulation division shall maintain proper records showing the quantity and cost of each item of Formulations transferred to other departments or units of the company for self-consumption and sold to outside parties. The rates at which the transfers are effected shall be at cost only. However, in the case of allopathic system of medicines, the selling price as well as the notional price notified by the Central Government under the Drugs (Prices Control) order, 1995 shall be shown by way of footnotes in the relevant cost statements indicating the basis on which the notional price has been arrived at.

21. POLLUTION CONTROL:

Expenditure incurred by the company on various measures to protect the environment like effluent treatment, control of pollution of air, water, etc., should be properly recorded.

22. HUMAN RESOURCES DEVELOPMENT:

Expenditure incurred by the company on the human resources development activity shall be recorded separately.

23. INTER COMPANY TRANSFER:

- (1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to its holding company or subsidiary or a company termed "related party relationship" as defined below and vice-a-versa, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of:
 - (a) purchase and sale of raw materials, finished products, process materials, chemicals and rejected goods including scraps, etc;
 - (b) utilisation of plant facilities and technical know-how;
 - (c) supply of utilities and any other services;
 - (d) administrative, technical, managerial or any other consultancy services;

- (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery;
- (f) any other payment related to production, processing or manufacturing of product under reference.

These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates in so far as they are in any way related to product under reference.

- (2) The transactions by the following “related party relationships” shall be covered under sub-rule(1) :-
 - (a) enterprises that directly, or indirectly through one or more intermediaries, control, or are controlled by, or are under common control with, the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and fellow subsidiaries);
 - (b) associates and joint ventures of the reporting enterprise and the investing party or venturer in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture;
 - (c) individuals owning, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprise that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individual;
 - (d) key management personnel and relatives of such personnel; and
 - (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise significant influence. This includes enterprises owned by directors or major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise.

However, the following shall not be deemed as “related party relationships”:-

- (a) two companies simply because they have a Director in common, notwithstanding paragraph (d) or (e) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings);
- (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor, or general agent with whom an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence; and
- (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprise by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision-making process);
 - (i) providers of finance;
 - (ii) trade unions;
 - (iii) public utilities;

- (iv) government departments and government agencies including government sponsored bodies.

Explanation:-For the purpose of these Rules, -

- (a) **"Related party relationships"** means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decisions;
- (b) **"Related party transaction"** means a transfer of resources or obligations between related parties, whether or not a price is charged;
- (c) **"Control"** means
- (i) ownership, directly or indirectly, of more than one-half of the voting power of an enterprise; or
 - (ii) control of the composition of the Board of Directors in the case of a company or of the composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise; or
 - (iii) a substantial interest in voting power and the power to direct, by statute or agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise.
- (d) **"Significant Influence"** means participation in the financial or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies;
- (e) **"Associate"** means an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party;
- (f) **"Joint venture"** means a contractual arrangement whereby two or more parties undertake an economic activity, which is subject to joint control;
- (g) **"Joint control"** means the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic activity so as to obtain benefits from it;
- (h) **"Key management personnel"** means those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activities of the reporting enterprise;

- (i) **"Relative"** – in relation to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who may connected by blood relationship;
- (j) **"Holding company"** means a holding company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956(1 of 1956);
- (k) **"Subsidiary"** means a subsidiary company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956(1 of 1956);
- (l) **"Fellow subsidiary"** means a company is said to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the same holding company;
- (m) **"State-controlled enterprise"** means an enterprise which is under the control of the Central Government or a State Government.

24. MULTI-PURPOSE VESSELS:

When more than one manufacturing process is carried out in a particular or series of vessels, adequate records about the usage of such vessels for different products shall be kept. The cost of using such vessels shall be charged to the different products on an equitable basis such as equipment occupancy hours. Where composite machine hour rates are applied for absorption of wages, overheads and equipment usage, proper records relating to the utilization of labour and multi-purpose vessels for different processes connected with the manufacture of different products shall be kept to enable determination of total machine hours and the amounts chargeable to the respective Formulations or intermediates. The variances between the actuals and the amounts charged at pre-determined rates shall be adjusted for arriving at the actual cost of production at the end of the year.

PROFORMA A

Name of the company

Name and address of the factory

Drug Licence no. & Date

Statement showing the cost of Utility like Power, Steam, Water, Effluent treatment etc., produced and consumed during the year/period

A Quantitative Information:

Serial Number	Particulars	Current Year (unit)		Previous Year (unit)	
1.	Installed capacity				
2.	Quantity produced				
3.	Capacity utilisation				
4.	Quantity re-circulated				
5.	Quantity purchased				
6.	Consumption in power house including other losses				
7.	Net quantity consumed				

B Cost Information:

Serial Number	Particulars	Quantity	Rate (Rupees) per unit	Amount (Rupees) (in lacs)	Cost per unit (in Rupees)	
					Current Year	Previous Year
A 1.	Materials(specify the inputs) (a) (b) (c)					
2.	Utilities(specify) (a) (b) (c)					
3.	Consumable stores					
4.	Salaries and wages					

5.	Repairs and maintenance					
6.	Other overheads					
7.	Depreciation					
8.	Total					
9.	Less: Credit, if any					
10.	Net Total					
B.	Apportioned to					
	1.					
	2.					
	3.					
	4.					

Note 1.- Separate cost sheet is to be prepared for each utility as well as effluent treatment.

Note 2.- If any of the utilities or services, which are manufactured by the company and transferred to any other unit of the company or is sold to outside parties, separate cost sheet shall be prepared in respect of such sale or transfer, which shall be effected at cost of sales of respective utility.

PROFORMA B

Name of the company

Name and address of the factory

Drug Licence no. & Date

Statement showing the conversion cost and packing cost for various cost centres
for the _____

S.N O.	PARTICULAR	Production/Service cost centres (To be specified)				Primary packing cost centres (To be specified)				Grand
										Total
1	2	3	4	5	6	Total	8	9	Total	11
A	Conversion cost/packing cost/charges									
1	Wages & salaries									
2	Consumable store									
3	Utilities									
	a) Water									
	b) Power									
	c) Steam									
	d) Others									
	(To be specified)									
4	Other direct expenses (To be specified)									
5	Repair & maintenance									
6	Depreciation									
7	Other works overhead									
8	Administration overheads									
9	Less credit (if any)									
10	Sub total									
11	Adjustment for opening/closing Work-in-progress									
12	Total									
13	Machine hours/Direct labour hours									
	a) Available									
	b) worked									

14	Cost per machine hours/ labour hour									
	a) Current year									
	b) Previous year									

Note :-

1. Name of cost centre may be filled as applicable to the product.
2. Actual direct labour/machine hour utilised for each type and size of pack of formulations shall be recorded batch wise.
3. Where a special machine such as high speed automatic machines etc are used for a particular process of manufacturing, separate cost centre shall be opened for each such machine or group of machine.
4. The administration overheads shall be included in the cost of production only to the extent they contribute in putting the goods produced to their present location and condition. The balance of administration overheads, if any, shall be included in the cost of goods sold. The Proformae may be amended accordingly, if required.

PROFORMA C

Name of the Company

Name and address of the factory

Drug Licence no.& Date

Statement showing apportionment of conversion cost to various

Products (to be specified) for the year ended

S.No	Product / formulation (to be specified)	Size and quantity	COST CENTRE (To be specified)												Total Rs.	
1	2	3	4		5		6		7		8		9		10	
			x	y	x	Y	x	y	x	y	x	y	x	Y	x	y
A.	Apportionment of conversion cost															
1																
2																
3																
4																
5																
6																
etc.																
Total																
B	Apportionment of packing cost	Type & Size of pack	Primary packing cost centre(to be specified)													
			11		12		13		14		15		16		Total	
			x	y	x	Y	x	y	x	y	x	y	x	Y	x	y
1																
2																
3																
4																
5																
6																
etc.																
Total																

Note: X= Actual direct labour/machine hours utilised as per actual recording or any other appropriate basis of apportionment

Y= Conversion cost in rupees

PROFORMA D

Statement showing the summary cost of production, cost of sales, sales realization and margin in respect of each type of Formulations for the financial year ended ..(mention the financial year)

Name of the company

Name and address of the factory

Drug Licence no. & Date

Sl. No	Particulars				
1.	Name of the formulations(with trade mark) manufactured/ marketed & its composition				
2.	Type of formulation	Plain/coated tablet, soft/hard /printed Capsules with/ without band, sterile/ Non-sterile liquid/ powder/ ointment/Cream etc.(Please specify)			
3.	Type of packing	Aluminum/paper/cellophane/blister Strips/vials/ampoule bottle/tin/jar etc. (Please specify)			
4.	Size of pack	(Please specify)			
5	Batch size				
6.	Production	Standard		Actual	
		Current Year	Previous Year	Current Year	Previous Year
i	No. of batches charged				
ii	No. of batches produced				
iii	Total Quantity Produced				
iv	Quantity Packed				
V	(a) Quantity sold in each packsize				
	(b) Total Number of packs sold				
vi	Assessable value of the product reconciled with excise records				

S.No.	Particular	Unit	Quantity			Rate	Amount	Cost per unit	
Serial Number			Theoretical Quantity	Actual Overages	Total Qty.			Current Year	Previous Year
A	1.Raw material (a)Imported (specify the inputs) (b)Indigenous-purchased (specify the inputs) (c)Own produced/ manufactured (specify major item) (d)Less waste/reject 2.Total raw material cost								
B	Primary packing material 1.Aluminium/PVC/cellophane, blister foil etc.,for front use 2.Aluminium/PVC/cellophane, blister foil etc.,for back side 3.Bottle/container/tube etc 4.Ampules /vials etc 5.Caps/sales etc. 6.Leaflets 7.Cartons 8.Other to be specified 9.Less reject/waste 10.Total(B.1to B.9)								
C	(I)conversion cost (1)Weighing and mixing (2)Filtration (3)preparation of solution/ ointment (4)Inspection (5)Quality control (6)Testing (7)Research and development (8)etc. etc. (To be specified) TOTAL								

	(II) Packing cost (III) other expenses (1)Royalty (2)Storage (3)Other (specify) TOTAL(c.III1toIII.3)						
	(IV)Total of conversion cost plus packing cost and other expenses						
D	Adjustment for different in value of opening and closing work in progress						
E	Adjustment for cost variance						
F	Total cost of production						
G	Secondary packing material (1) Cartons (2) Leaflets (3) Dropper (4) Boxes (5) Gum tapes (6) other (specify) (7) less reject/waste (8) total(G1 to G7)						
H	Secondary packing cost/charges (1)cartooning (2)boxing (3)others (specify) (4)total(H1 to H3)						
I	(1)Total cost of packed product (F+G+H) (2)Less: Quantity transferred for clinical/sample/trials etc. Add : Opening packed stock Less: Closing packed stock (3)cost of good sold (a)domestic sale (b)export						

J	(1)Distribution cost (give details) (2)Sales promotion expenses (give details) i. Whole sellers ii. C & F agents iii. Retailers iv. Others(specify) (3)Trade commission i. Whole sellers ii. C & F agents iii. Retailers iv. Others(specify) (4)Others (give details) Total(J1 to J4)						
K	Interest						
L	Other expenses/incomes not included in costs(details to be given)						
M	Total Cost excluding Excise Duty						
N	Total net sales realization (excluding excise duty) Add: Export benefits and incentives, if any						
O	Margin						
P	Maximum retail price excluding excise duty						
Q	Maximum price under DPCO as applicable *						
R	Assessable value of the product						
S	Excise duty						

Note:-

1. Separate proforma shall be prepared for each type or discription of formulation.
2. Seperate Proforma containing the details specified in this Proforma shall be prepared in respect of products exported
3. Actual quantity consumed including overages, if any, should be included in this Proforma.
4. The conversion cost shall be indicated cost centerwise separately in respect of tablets, capsules, syrups, Injectables, ointment etc.

- 5 * Liabilities, if any, of overcharging on account of selling at a price higher than the price fixed by the Government be furnished
6. The packing cost shall be indicated cost centerwise separately in respect of tablets, capsules, syrups, Injectables, ointment etc
7. The Abnormal Loss, if any, both in quantity and cost shall be shown in a separate statement indicating the reasons and per unit impact therefor
8. The value of export incentives and other benefits received on exports shall be included in the sales realisation
- 9 The administration overheads shall be included in the cost of production only to the extent they contribute in putting the goods produced to their present location and condition. The balance of administration overheads, if any, shall be included in the cost of goods sold. The Proforma may be amended accordingly, if required

Proforma E

Name of the company

Name and address of the factory

Drug Licence no. & Date

Statement showing the total production and allocation of total actual expenses and income of the company between Formulations and other activities for the year ending.....

Allocation of total expenses and income for the year ending...

Serial Number	Particulars	Total actual expenses As per Audited Annual Accounts	Share applicable to Other activities	Share applicable to Formulations	Share applicable to Bulk Drugs, if any	Basis of Allocation
1	2	3	4	5	6	7
1.	Raw-Material consumed					
2.	Packing Materials consumed					
3.	Process materials/ Chemicals consumed					
4.	Salaries and wages					
5.	Utilities					
6.	Consumable stores and spares					
7.	Depreciation					
8.	Repairs and maintenance					
9.	Royalty					
10.	Research and Development					
11.	Quality control					
12.	Other Factory overheads					
13.	Administrative Overhead (a) Salaries and wages (b) Others (Please specify) (c) Total(a+b)					

14.	Total(1 to 13)					
15.	Less: Credits (from wastages and by-Products)					
16.	Stock adjustment (work in progress)					
17.	Cost of Production					
18.	Stock adjustment (finished products)					
19.	Net cost of Production of unpacked finished goods					
20.	Less: captive consumption					
21.	Packing Cost					
22.	Less: captive consumption in packed condition					
23.	Net ex-works cost of packed products					
24.	Selling and distribution expenses (a)Salaries and Wages (b)Freight and Transport Charges (c)Commission to selling agents (d)Advertisement Expenses (e)Godown/Warehouse charges (f)Others (g)Total(a to f)					
25.	Cost of Sales					
26.	Interest					
27.	Other expenses/incomes not included in costs(details to be given)					
28.	Total cost (excluding excise duty)					

29.	Total sales realization excluding excise duty Add: Export benefits and incentives, if any					
30	Margin(29-28)					

Note.- 1. If, in addition to Formulations of one system of medicine, formulations of other systems of medicine like allopathic, ayurvedic, Homeopathic etc., are produced/manufactured, additional columns similar to column 5 of the proforma shall be opened in respect of each such system of medicine.

2. All items of income and expenditure in this Proforma shall be reconciled with the financial accounts for the relevant period."

[F. No. 52/17/CAB-2000]
A. RAMASWAMY, Jt. Secy.

Foot Note— The principal Rules were published vide G.S.R. number 452, dated the 22-4-88 and subsequently amended vide -

1. GSR 571 (E) dated the 22th, July 1989 .
2. GSR 331 (E), dated the 24th March 1993
3. GSR 455 (E) dated the 3rd August 1998

